डाक पंजीयन संख्या/643/2018-2018/2018
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

वर्ष : 09 अंक : 02 फरवरी 2023 मूल्य: ₹ 30 पृष्ठ : 44

विकास यात्रा से चुनावी शंखनाद

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और

अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरू करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके दूसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, भारत के लिये एक शुभ एवं श्रेयस्कर घटना है इसी एक दिसंबर को जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता संभालना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। आखिरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति की शुरुआत करते हुए अगस्त तक डिजिटल यूनिवर्सिटी के शुरू होने और विदेशों के ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज और येल जैसे उच्च स्तरीय लगभग पांच सौ श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों के भारत में कैंपस खुलने शुरू हो जायेंगे। अब भारत के छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा स्वदेश में ही मिलेगी और यह कम खर्चीली एवं सुविधाजनक होगी। इसका एक लाभ होगा कि कुछ सालों में भारतीय शिक्षा एवं उसके उच्च मूल्य मानक विश्वव्यापी होंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की यह अनूठी एवं दूरगामी सोच से जुड़ी सराहनीय पहल है। यह शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का अभ्युदय है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। काशी से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि यह सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

मोदी अपने आलोचकों को खूब जानते हैं, अतः उन्होंने उचित ही कहा है कि आज का भारत सिर्फ सोमनाथ के मंदिर का सौंदर्यीकरण ही नहीं कर रहा, अयोध्या में श्रीराम के मन्दिर के सदियों पूराने सपने को आकार ही नहीं दे रहा है, बाबा केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार ही नहीं कर रहा, बाबा विश्वनाथ धाम को भव्य रूप ही नहीं दे रहा है बल्कि सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी कर रहा है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बना रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बना कर दे रहा है, रोजगार, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी कर रहा है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, सुखद जीवनशैली देगी।

भरत सिंह चौहान

संपादक

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरू करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके दूसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, भारत के लिये एक शुभ एवं श्रेयस्कर घटना है इसी एक दिसंबर को जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता संभालना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 09, अंक 02 ,फरवरी 2023

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	**बहादुर सिंह चौहान**
संपादक	**भरत सिंह चौहान**
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उप प्रबंध संपादक	आर. एन. शर्मा
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता, महेन्द्र शर्मा, पुष्पेन्द्र तोमर (मप्र) छोटे सिंह भदौरिया, रघुवरदयाल गोहिया प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर
स्टेट हेड

पंकज त्रिपाठी	मध्यप्रदेश
अश्वनी अवस्थी	छत्तीसगढ़
नरेंद्र शर्मा	हरियाणा
खंगारराम चौधरी	हैदराबाद तेलंगाना
आनंद कुमार शाही	झारखण्ड
मनोज कुमार	बिहार
नारायण लाल	कर्नाटक
दीपक रहलन	पंजाब
नैनाराम सिरवी	राजस्थान
अमित कुमार	जम्मू-कश्मीर (यूटी)
अनिल कुशवाह	प्रभारी मप्र

ब्यूरो चीफ

गौरी शंकर कुशवाह	सागर संभाग, मध्यप्रदेश
केशव प्रसाद शर्मा	चम्बल संभाग
रूप सिंह	कानपुर मंडल उत्तरप्रदेश
हरिचरण प्रजापति	पन्ना मध्यप्रदेश
पवन कुमार शाही	गोपालगंज बिहार
राम दयाल गौतम	अम्बेडकर नगर उत्तरप्रदेश
मोहित शर्मा	विदिशा मध्यप्रदेश
रितेश कटरे	बालाघाट मध्यप्रदेश
मुन्ना खान	खरगोन मध्यप्रदेश
विनोद पाठक	श्योपुर मध्यप्रदेश
सोनू कुमार माथुर	एटा उत्तरप्रदेश
हरिनिवास दुबे	मथुरा उत्तरप्रदेश
मोहन मांझी (मोनू बाथम)	गोहद, भिण्ड
नील कुमार	पाटन गुजरात
रीतेश कुमार अवस्थी	दमोह
पहलवान सिंह	मालनपुर

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4050784, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

इस अंक में पढ़ें

3

6

8

11

12

13

पुष्पांजली टुडे रिपोर्टर

आदित्य सिंह	सोशल रिपोर्टर ऑल इंडिया
सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया
संतोष भदौरिया	मध्यप्रदेश
गौरव शर्मा	मध्यप्रदेश
अमित शर्मा	मध्यप्रदेश
रहीश खान	ग्वालियर संभाग
उमाकांत शर्मा	चम्बल संभाग
भरत राजपूत	अहमदाबाद, गुजरात
हरिओम परिहार	शिवपुरी क्राइम रिपोर्टर
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड क्राइम रिपोर्टर
प्रतीश अग्रवाल	गुना मध्यप्रदेश
अभिषेक कुशवाह	सिरोंज, विदिशा
हेमचंद नागेश	उरमल मैनपुर छत्तीसगढ़
आकाश मिश्रा	गरियाबंद छत्तीसगढ़
विजय चौधरी	हज़ारीबाग
प्रवीन कुमार राज	हज़ारीबाग
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
शिवकांत ओझा	रौन,भिण्ड
चेतना कारले	खरगोन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

मोदी सरकार का चुनावी बजट

आम और खास सबका रखा ख्याल

इनकम टैक्स छूट की सीमा 8 साल बाद बढ़ी:गरीबों को एक साल और मिलेगा मुफ्त अनाज, युवाओं-रोजगार के लिए अहम ऐलान

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने को संसद में मोदी सरकार 2.0 का आखिरी पूर्ण बजट पेश किया। इस बजट के माध्यम से सरकार ने सभी तबकों को साधने की कोशिश की। इस दौरान सरकार ने मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को आयकर मोर्चे पर राहत तो लघु बचत योजनाओं के तहत निवेश सीमा बढ़ाकर बुजुर्गों और नई बचत योजना के जरिये महिलाओं को सौगात दी। इसके साथ ही सरकार ने बुनियादी ढांचे पर खर्च में 33 फीसदी की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। ऐसे में हम आपको बताएंगे कि बजट के पिटारे से किस सेक्टर को क्या-क्या मिला। नई कर व्यवस्था के तहत एक अप्रैल से व्यक्तिगत आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर सात लाख रुपये कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति की आय सात लाख रुपये है, उसे कोई कर नहीं देना होगा। अब तक यह सीमा पांच लाख रुपये है। सरकार ने साथ ही कर स्लैब को सात से घटाकर पांच किया गया है। साथ ही अधिकतम अधिभार की दर 37 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत करने के बाद कर की दर 42.7 प्रतिशत से घटकर लगभग 39 प्रतिशत रह जाएगी।

भारत का अमृत काल प्रारम्भ हो चुका है और वर्ष 2047 में भारत अपनी स्वाधीनता के 100 वर्ष पूरे कर रहा होगा। उस समय तक भारत को विश्व के मानचित्र पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की प्रेरणा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारतीय नागरिकों को दी है। अतः देश के पास अब केवल लगभग 24 वर्ष का समय ही शेष है, ऐसे में केंद्रीय वित्त मंत्री माननीय निर्मला सीतारमन द्वारा संसद में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रस्तुत किया गया केंद्र सरकार का बजट भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह दिखा रहा है। यह बजट दरअसल अमृत काल का प्रथम बजट होने के कारण इसे भारत में अमृत काल की मजबूत आधारशिला रखने वाला बजट भी कहा जा सकता है।

भारत में आध्यात्मिक दृष्टि से ऋषियों, मुनियों एवं गुरुओं द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर सफलता हासिल करने के कई उदाहरण सुनाई देते रहे हैं। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट को प्रस्तुत करते हुए माननीय वित्त मंत्री महोदया ने बताया कि उन्होंने भी सप्तऋषियों के रूप में, उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से, 7 प्राथमिकताएं तय की हैं। भारत में प्रकृति को सदैव ही देवता की रूप में पूजा जाता रहा है, इस दृष्टि से प्रथम प्राथमिकता तो यही तय की गई है कि प्रकृति को कम से कम नुक्सान पहुंचाते हुए देश का आर्थिक विकास किया जाये। अतः ÷ग्रीन ग्रोथ÷ की प्राथमिकता तय की गई है। देश के युवाओं को देश की आर्थिक प्रगति में शामिल करने के उद्देश्य से ÷यूथ पावर÷ के रूप में दूसरी प्राथमिकता, देश की आर्थिक प्रगति को ÷इंक्लूसिव डेवलपमेंट÷ के रूप में हासिल करने के उद्देश्य से यह तीसरी प्राथमिकता, समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक आर्थिक प्रगति का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से रीचिंग द लास्ट माइल के रूप में चौथी

प्राथमिकता, रोजगार के अधिक से अधिक नए अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से ÷इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट÷ के रूप में पांचवीं प्राथमिकता, देश में पूर्व से ही उपस्थित अंतर्निहित शक्तियों (जिन्हें हम भूल गए हैं) का देश हित में उपयोग करने के उद्देश्य से ÷अनलीशिंग द पोटेंशियल÷ के रूप में छठी प्राथमिकता, एवं भारत के नागरिकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाने के उद्देश्य से ÷लान्च ऑफ डिजिटल प्लेटफॉर्म÷ के रूप में सातवीं प्राथमिकता निर्धारित की गई है। अमृत काल के प्रारम्भ होने के साथ ही, उक्त प्राथमिकताओं के आधार पर, भारत में बहुत तेज गति से कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

केंद्र सरकार ने भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित अवस्था में ले जाने के उद्देश्य से एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। केंद्र सरकार के पूंजीगत निवेश की राशि में 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे वित्तीय वर्ष 2022-23 के 7.50 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 10 लाख करोड़ रुपए किया जा रहा है, जोकि देश के सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 प्रतिशत होगा। इतनी भारी भरकम राशि यदि केंद्र सरकार द्वारा पूंजीगत ढांचे को विकसित करने के लिए खर्च की जा रही है तो इससे देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित होंगे एवं देश में उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि होगी तथा अंततः निजी क्षेत्र की कम्पनियों को भी अपने पूंजीगत निवेश को गति देने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। देश की आर्थिक प्रगति को बल देने के लिए यह एक क्रांतिकारी उपाय कहा जा सकता है। इसी प्रकार, भारत में आधारभूत संरचना को विकसित स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से रेल बजट के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2.40 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1.40 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई थी। इस प्रकार इस मद पर अब नए वित्तीय वर्ष के दौरान लगभग दुगनी राशि खर्च की जाएगी। रेलवे को विकसित अवस्था में लाने के लिए 75,000 करोड़ रुपए की लागत की कई नई योजनाएं भी प्रारम्भ की जाएंगी। साथ ही, देश में हवाई यातायात को और अधिक आसान बनाने के उद्देश्य से 50 अतिरिक्त नए एयरपोर्ट, हेलीपेड, वॉटर एयरोड्रम आदि बनाए जाएंगे। साथ ही, क्षेत्रीय हवाई संबद्धता को भी और अधिक मजबूत करने के प्रयास किए जाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट रक्षा क्षेत्र के लिए भी एक बड़ी सौगात लेकर आया है। केंद्रीय बजट में वर्ष 2023-24 के लिए रक्षा क्षेत्र को कुल 5.94 लाख करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है, जो कुल बजट की राशि का 8 प्रतिशत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य को लेकर अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बजट में आवंटित की गई इस राशि का उपयोग हथियारों की आत्मनिर्भर

तकनीक और भारत में ही इन उत्पादों के निर्माण के कार्य पर किया जाएगा। इससे देश में ही रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होंगे। वैसे, अब तो रक्षा क्षेत्र में उत्पादित उपकरणों एवं हथियारों आदि का भारत निर्यात भी करने लगा है। रक्षा के क्षेत्र को और अधिक मजबूती प्रदान करने से देश से इन उत्पादों के निर्यात को भी गति मिलेगी।

भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र में उद्यमियों द्वारा रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित किया जा रहे हैं अतः इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र के उद्यमियों के लिए 2 लाख करोड़ रुपए की क्रेडिट गारंटी योजना लाई जा रही है। साथ ही, तीन करोड़ रुपये के टर्नओवर तक के सूक्ष्म उद्योग को करों में छूट दी जा रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और अधिक बल देते हुए 3,400 सरकारी कानूनी प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर लाने का फैसला किया गया है। इससे देश में नए नए उद्योगों को स्थापित करने में अब और अधिक आसानी होगी।

कृषि का क्षेत्र तो केंद्र सरकार के लिए प्रारम्भ से ही प्राथमिकता का क्षेत्र रहा है और किसानों की आय को दुगना किए जाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। आज भी देश की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में निवास करती है एवं अपनी आजीविका के लिए मुख्यतः कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर है। अतः वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में भी कृषि क्षेत्र के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। कृषि क्षेत्र का डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में पशुपालन, डेयरी पालन और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एवं अन्य कृषि कार्यों के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए की योजना है। मत्स्य उपयोजना में 6,000 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कृषि-स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीकल्चर एक्सीलेटर फंड बनाया जाएगा। गोबरधन योजना के अंतर्गत 500 नए संयंत्रों की स्थापना की जाएगी एवं प्राकृतिक खेती के लिए 10 हजार बायो इनपुट रिसोर्स स्थापित किए जाएंगे। युवा किसानों की सहायता के लिए एक विशेष फंड का निर्माण किए जाने की भी योजना है।

भारत में लगातार यह प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रत्येक नागरिक की रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के रूप में, आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो। इस दृष्टि से प्रारम्भ की गई प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आवंटित की गई राशि को 66 प्रतिशत से बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपए किया जा रहा है। इससे भारतीय नागरिकों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के महत्वपूर्ण कार्य को गति मिल सकेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत खर्च की जा रही राशि को भी केंद्र सरकार का पूंजीगत निवेश ही कहा जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के खर्च से देश में आस्तियों का निर्माण ही तो हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र को भी अतिरिक्त महत्व प्रदान करने का प्रयास इस बजट में किया गया है। भारत में राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के साथ-साथ मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में ÷मल्टी-डिसिप्लीनरी स्टडी÷ के लिए कोर्स मटेरियल की व्यवस्था भी केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। 740 एकलव्य मॉडल रेजीडेंशियल स्कूलों के लिए अगले तीन वर्षों के दौरान 38,000 नए शिक्षकों एवं सहायक स्टाफ की भर्ती की जाएगी। इस बजट में केंद्र सरकार द्वारा जनजातियों के लिए विशेष स्कूलों हेतु 15 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सिविल सेवकों और सरकारी कर्मचारियों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऑनलाइन ट्रेनिंग योजना भी प्रारम्भ की जाएगी।

अंत में यह कहा जा सकता है कि भारत में अब नई तकनीकी को अपनाने के साथ ही हमारी सांस्कृतिक परम्परा पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है ताकि भारत को विश्व गुरु के रूप में पुनः स्थापित किया जा सके। नई तकनीकी को अपनाते हुए गरीबतम नागरिकों को भी विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने का भरपूर प्रयास हो रहा है। देश में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 11.7 करोड़ टायलेट का निर्माण किया गया है, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 9.6 करोड़ गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं, जनधन योजना के अंतर्गत 47.8 करोड़ खाते बैंकों में खोले गए हैं, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 50 करोड़ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जल जीवन मिशन के अंतर्गत 11 करोड़ परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 3.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का खर्च केंद्र सरकार द्वारा किया गया है, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 40 लाख पथमार्ग विक्रेताओं को ऋण उपलब्ध कराए गए हैं, मुद्रा योजना

के अंतर्गत 70 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को प्रदान किए गए हैं एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर ले आया गया है। उक्त योजनाओं पर भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में खर्चों का प्रावधान जारी रखा गया है।

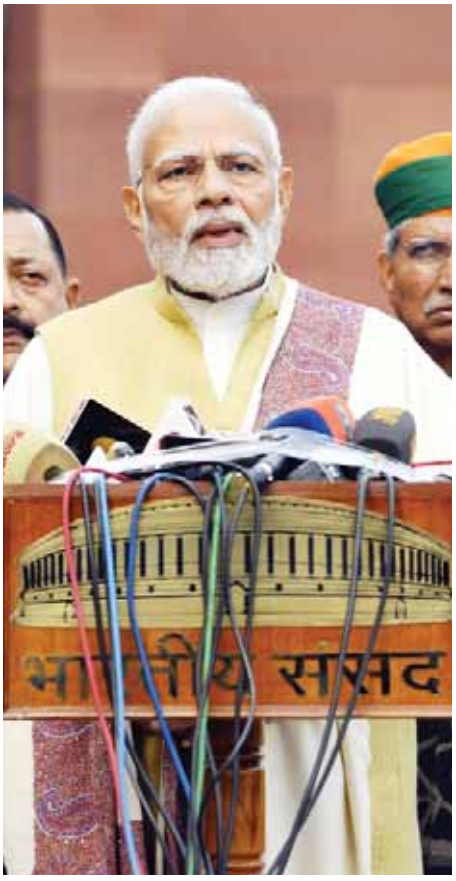

तुर्की में भूकंप से भारी तबाही

तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप से अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। कई इमारतें तबाह हो गई हैं। बेघर लोगों के लिए शेल्टर बनाए गए हैं। अमेरिकी कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजी ने कुछ सैटेलाइट तस्वीरें जारी की है। इनमें तबाही और शेल्टर के लिए बनाए गए टेंट दिख रहे हैं। सीरिया में मारे गए लोगों को दफनाने के लिए सामूहिक कब्रें बनाई जा रही हैं। सरकार के खिलाफ लोगों के गुस्से को देखते हुए एर्दोगन ने कहा- भूकंप के बाद सरकार की शुरुआती प्रतिक्रियाओं में कमियां थीं।दरअसल, भूकंप के बाद कई इलाकों में लोगों तक बचावकर्मी या राहत समग्री नहीं पहुंची थी। इधर, मदद के लिए डब्ल्यूएचओ और यूएन समेत दुनियाभर के 70 से भी ज्यादा देश आगे आए हैं। लोकल मीडिया के मुताबिक, सीरिया में 3 लाख लोगों को मजबूरन अपना घर छोड़ना पड़ा है।

तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप ने साबित किया है कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने इंसान बौना है, वहीं भूकंप को समय रहते पहले से जान लेने की जरूरत रेखांकित हुई ताकि विनाश को न्यूनतम किया जा सके। नीदरलैंड्स के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स की काफी चर्चा है, जिन्होंने इस भूकंप के आने से चार दिन पहले 3 फरवरी को ही एक ट्वीट में चेताया था कि दक्षिण-मध्य तुर्की, जॉर्डन, सीरिया और लेबनान में रिक्टर पैमाने पर 7.5 या इससे भी अधिक की ताकत वाला भूकंप जल्दी ही आ सकता है। दावा है कि सोलर सिस्टम जियोमैट्री सर्वे के शोधकर्ता हूगरबीट्स ने पिछले कुछ दिनों में पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों में हो रही भूगर्भीय गतिविधियों का अध्ययन कर यह सटीक अनुमान व्यक्त किया था। हूगरबीट्स का कहना है कि वह अपने अध्ययन में ग्रहों की स्थिति पर ध्यान देते हैं, जिसके आधार पर भूकंपीय हलचलों को पढ़ा जा सकता है। कहा जा रहा है कि अगर उनकी भविष्यवाणी को गंभीरता से लिया जाता, तो इतने बड़े विनाश को टाला जा सकता है। लेकिन भूगर्भशास्त्री और भूकंपवेत्ता इस राय से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका मानना है कि अभी विज्ञान इतना उन्नत नहीं हुआ है कि भूकंप को उसके आने से कई दिन पहले जान लिया जाए।

यह समझना जरूरी है कि एजियन समुद्र के चारों ओर जो देश हैं- तुर्किये, सीरिया और ग्रीस- वे साइस्मेकली बहुत एक्टिव एरिया हैं। पूरा तुर्किये

भूकंप के लिहाज से सक्रिय क्षेत्र है और वहां भूकंप अक्सर आते भी रहते हैं। हालांकि 7.8 तीव्रता का भूंकप 100 साल बाद आया है, लेकिन 5-6 तीव्रता वाला भूकंप आना यहां के लिए कोई बड़ी बात नहीं। हाल में जो भूकंप आया, वह ईस्ट एनाटोलियन फॉल्ट लाइन पर आया है, जो कि अरेबियन प्लेट के साथ जुड़ा हुआ है। अरेबियन प्लेट धक्का मार रहा है एनाटोलियन प्लेट को, जिसके कारण बहुत अधिक तीव्रता वाले भूकंप के इस एरिया में आने की हमेशा आशंका रही है। इसका परिणाम हमने पिछले कुछ दिनों में देखा है, जब इस क्षेत्र में 70 के करीब भूकंप आए। शहर नष्ट हो गए हैं और हजारों लोग मारे गए हैं। सवाल यह है कि क्या भूकंप इतना विनाशकारी होना चाहिए? क्या हम भूकंप से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं? दुनिया में सबसे अधिक भूकंप सक्रिय क्षेत्र जापान है। ऐसे में भूकंप से सबसे अधिक कहीं नुकसान हो सकता है तो जापान में हो सकता है। लेकिन जापानी समाज ने अपने आपको इस तरह से ढाला है, अपनी बिल्डिंगों को इस तरह से डिजाइन किया है, अपने लोगों को इस तरह से प्रिपेयर किया है कि बहुत बड़े भूकंप में भी वहां जान-माल का नुकसान ज्यादा नहीं होता।

जब-जब दुनिया पर संकट गहराया, देवदूत बनकर भारत सामने आया

तुर्की ही नहीं पाकिस्तान, बांग्लादेश, यमन सूची बहुत लंबी है एक गुरु बनने के लिए क्या आवश्यक है इसकी व्याख्या भारत को इस बात की अभिलाषा देने वाले स्वामी विवेकानंद ने स्वयं की थी। उन्होंने कहा था कि अगर आप सच्चे सुधारक बनना चाहते हैं तो तीन चीजें आवश्यक हैं। पहली है महसूस करना। क्या आप सचमुच अपने भाइयों की पीड़ा अनुभव करते हैं? क्या आप सहानुभूति से ओत-प्रोत हैं? क्या आपने बिना किसी अशुद्धि उस सोने को सहेजने के तरीके खोज लिए हैं? अगर आपने ऐसा कर लिया है, एक और चीज आवश्यक है। आपका इरादा क्या है? क्या आपको विश्वास है कि आप लालच, प्रसिद्धि या शक्ति की पिपासा से प्रेरित नहीं हैं?ज्तब आप एक सच्चे सुधारक हैं, आप मानवता के लिए एक शिक्षक, एक गुरु, एक आशीष हैं। वसुधैव कुटुंबकम, समूचा विश्व एक परिवार है। हम तर्क देते हैं कि क्योंकि हमने सबसे पहले ऐसा कहा, और मात्र हम ही इन उपदेशों का पालन करते हैं, इसलिए हम विश्व गुरु बनने के सही मायने में हकदार भी हैं और योग्य भी है। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम केवल सिर्फ बोलते हैं बल्कि सही मायनों में दुनिया के लिए कर के भी दिखाते हैं। इतिहास उठाकर देखें तो जब जब दुनिया में कोई भी संकट आया हो तो भारत ने अग्रणी बनकर हर मोर्चे पर राहत पहुंचाया है। ताजा मामला तुर्की का ही देख सकते हैं। करीब सौ साल बाद तुर्की में तबाही मची है। वो भी ऐसी जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। भूकंप के झटकों से तुर्की और सीरिया का जर्रा-जर्रा कांप उठा। इस बीच भारत ने तुर्की की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। लेकिन ये कोई पहला मौका नहीं है 2005 में भूकंप प्रभावित पाकिस्तान हो या म्यामांर में आया चक्रवात। भारत की देवदूत बनकर मदद करने वाली फेहरिस्त बेहद ही लंबी है। कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की को इस आपदा की

घड़ी में भारत ने हरसंभव मदद का ऐलान किया है। आपको बता दें कि 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में तुर्की ने पाकिस्तान की काफी सहायता की। इसके अलावा कश्मीर को लेकर तुर्की हमेशा पाकिस्तान का साथ देता रहा है। अभी कुछ दिन पहले की ही बात होगी जब भारत का 56,877 टन गेहूं तुर्की ने रूबेला वायरस कहकर लौटा दिया था। ऐसा नहीं है कि भारत इन चीजों को भूल गया है। लेकिन बात जब भी मानवता की आती है तो सबसे पहले वो मदद के लिए खड़ा होता है। दुनिया के लिए सहायता प्रदान करने का सिलसिला 1963 से शुरू हुआ। सूखे के बाद वहां के हालात बेहद ही बद्तर हो चले थे। गंभीर सूखे के बाद चिकित्सा कर्मियों की टीम इथोपिया रवाना हुई थी। मेडिकल टीम ने प्रभावित समुदायों को चिकित्सा सहायता करने के लिए अथक प्रयास किए। उनके प्रयासों की इथियोपिया सरकार और लोगों ने बहुत सराहना की थी। 1965 भारत ने भीषण भूकंप के बाद आपदा राहत और सहायता प्रदान करने के लिए चिकित्सा कर्मियों की एक टीम यमन भेजी। इस टीम ने फिर प्रभावित आबादी की जरूरतों का आंकलन करने के लिए स्थानीय अधिकारियों और समुदायों के साथ मिलकर काम किया व जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा, भोजन की व्यवस्था की।

हिंडनबर्ग पर बवालः अडानी पर सवाल ?

बिग स्टोरी

जब से अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई है आर्थिक व राजनीतिक क्षेत्रों में तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मुद्दे की आंच अब देश की संसद तक जा पहुंची है।इस मुद्दे पर संसद में जमकर हंगामा बरपा। विपक्षी दल लगातार अडाणी समूह के वित्तीय लेनदेन की व्यापक जांच के लिये संसदीय पैनल बनाने की मांग करते रहे। वहीं कुछ विपक्षी सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से मामले की जांच कराने की मांग करते देखे हैं। इस मामले ने इतना तूल पकड़ा कि हंगामे के चलते आखिरकार लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। दरअसल, राजग सरकार के सत्ता में आने के बाद अडाणी समूह का साम्राज्य अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है। यह आम धारणा रही है कि राजाश्रय में ही अडाणी समूह फला-फूला है। विपक्ष के इस विरोध के मूल में आर्थिक अनुशासन कायम करने के बजाय मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करना प्राथमिकता नजर आता है। लगातार यह दलील दी जाती है कि अडाणी समूह की अप्रत्याशित सफलता के लिये सरकारी बैंकों से भारी ऋण उपलब्ध कराया गया है। जिससे जनता का पैसा दांव पर लगा है। कुछ समाचार एजेंसियों का दावा है कि आरबीआई ने बैंकों से अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिये गये कर्ज का विवरण मांगा है। बहरहाल, हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के बाद समूह के शेयरों में भारी गिरावट का क्रम लगातार जारी है। इस संकट की घड़ी में अडाणी समूह ने निवेशकों का विश्वास हासिल करने के लिये बीस हजार करोड़ के एफपीओ को रद्द करके निवेशकों को पैसा लौटाने की बात कही है। स्वयं गौतम अडाणी ने एफपीओ रद्द करने की घोषणा एक वीडियो के जरिये की और निवेशकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उनका भरोसा बनाये रखना

उनकी प्राथमिकता है। निवेशकों को नुकसान से बचाने के लिये एफपीओ रद्द किया गया है। बहरहाल, इसके बावजूद मुद्दे पर विवाद का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को संसद में तेरह विपक्षी पार्टियां लगातार हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सदन में चर्चा की मांग करती रही। ये तेरह पार्टियां नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन के साथ एकजुट हुईं। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे कि जनता की मेहनत का पैसा दांव पर लगा है। उनकी दलील थी कि राजनीतिक संरक्षण में जनता का पैसा उद्योगपतियों के हितों में लगाने से लोगों का बैंकिंग व एलआईसी जैसी संस्थाओं से भरोसा उठ जाएगा। निस्संदेह, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा जगाने के लिये पारदर्शी आर्थिक व्यवस्था का होना अपरिहार्य है। दरअसल, देश के लोग सामाजिक सुरक्षा के मकसद से बैंकों व अन्य सरकारी वित्तीय संस्थाओं में पैसा लगाते हैं। जिसके लिये मजबूत नियामक ढांचे की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, इस विवाद के मूल में न्यूयार्क स्थित एक निवेशक अनुसंधान फर्म हिंडनबर्ग की वह रिपोर्ट है जिसमें दावा किया गया कि अडाणी समूह जो आर्थिक समृद्धि दर्शा रहा है उसके लिए अनैतिक व अनुचित तौर-तरीकों का प्रयोग किया गया है। हालांकि, अडानी समूह ऐसे किसी भी आरोप को खारिज करता रहा है और इसे भारतीय अर्थव्यवस्था पर बाहरी हमला बताता रहा है। लेकिन इसके बावजूद समूह को साख के अलावा अरबों का नुकसान हुआ है। दरअसल, रिपोर्ट में समूह के उच्च ऋण स्तरों पर सवाल उठाए गये और उस पर टैक्स हेवन में स्थित शेल कंपनियों का उपयोग करने का आरोप लगाया है। दरअसल, विगत में आर्थिक विश्लेषक एलआईसी और कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अडाणी समूह में निवेश करने को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, इन परिस्थितियों में उम्मीद की जानी चाहिए कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी नियामक संस्थाएं ऐसे मामलों में शीघ्र व निर्णायक रूप से पहल करके लोगों का विश्वास बहाल करें। इसमें दो राय नहीं कि ऐसे प्रकरणों से निवेश की दृष्टि से भारत की प्रतिष्ठा को भी नुकसान हो सकता है। खासकर वे विदेशी निवेशक प्रभावित हो सकते हैं जो भारत को अन्य उभरती

हिंडनबर्ग की आड़ में सरकार की छवि खराब करने की साजिश

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की आड़ में विरोधी दल प्रधानमंत्री नरेंद मोदी व भाजपा सरकार की छवि खराब करने का अभियान उसी तरह चला रहे हैं जिस प्रकार विपक्ष ने नोटबंदी से लेकर किसान आंदोलन और राफेल से लेकर पेगासस के मामलों में किया लेकिन उसका परिणाम सभी को पता है। वर्ष 2023 में नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और 2024 में लोकसभा चुनाव होगा लेकिन लाख प्रयासों के बाद भी विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को पराजित करने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा भी अपेक्षित वातावरण नहीं बना सकी है। यही कारण है कि अब कांग्रेस सहित सभी विरोधी दल विदेशी रिपोर्टों को आधार बनाकर प्रधनमंत्री मोदी व सरकार पर हमलावर हैं और संसद के बजट अधिवेशन को ठप कर दिया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने का समय सोचे समझे वैश्विक षड्यंत्र का हिस्सा लग रहा है क्योंकि यह वो समय है जब सम्पूर्ण विश्व के उद्योगपति भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। कर्नाटक में ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ा सम्मेलन हो रहा है जबकि उत्तर प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भारी मात्रा में निवेश आने की सम्भावना है। अभी विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भी भारत का डंका बजा था। यही समय है जब भारत की छवि बिगाड़ कर निवेश को दूर किया जा सकता है। हिंडनबर्ग ने गौतम अडानी को उस समय निशाना बनाया जब उनका एक एफपीओ आने वाला था। ठीक उसी समय एक रिपोर्ट प्रकाशित की गयी बिल्कुल पेगासस की तरह। जानने योग्य बात है कि हिंडनबर्ग एक ऐसी कंपनी है जिस पर यूएस में कई कंपनियों को नुकसान पहुंचाने को लेकर आपराधिक जांच चल रही है और विदेशी कंपनियों पर रिपोर्ट जारी करने पर रोक भी लगी हुई है। हिंडनबर्ग नौ लोगों का ऐसा गिरोह है जो विश्व के 22 देशों में फर्जी रिपोर्ट जारी कर उथल-पुथल मचा चुका है और उन सभी मामले की जांच चल रही है। हिंडनबर्ग के अकाउंट तक यूएस एजेंसियों ने फ्रीज कर रखे हैं, ऐसी कंपनी जिसकी कोई विश्वसनीयता नहीं है उसकी एक फर्जी रिपोर्ट पर भारत विरोधी तत्व सड़क से संसद तक उत्पात रहे हैं और गौतम अडानी की आड़ लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करने का अभियान चला रहे हैं।

गौतम अडानी ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया का कारमाइकल कोल माइन का प्रोजेक्ट खरीदा था और इसके मात्र छह वर्ष बाद ही 2016-17 में उनके खिलाफ साजिश की शुरुआत हो गयी थी। भारत में भी कुछ संस्थाओं और मीडिया हाउस के माध्यम से गौतम अडानी पर सुनियोजित तरीके से हमले किये गये। द वायर नाम की एक वेबसाइट गौतम अडानी के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। 2017 में इस वेबसाइट ने उनके खिलाफ एक लेख प्रकाशित किया था। अडानी के खिलाफ साजिश को उन राजनैतिक हस्तियों का समर्थन प्राप्त है जो वर्षों से अडानी और नरेन्द्र मोदी के बीच सम्बन्ध स्थापित करने की असफल कोशिश कर रहे हैं। इसी प्रकार वामपंथी मीडिया हाउस के लोग भी गौतम अडानी के खिलाफ लगातार प्रोपेगेंडा खबरें चलाकर देश के मन को नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध करने की अपनी चाहत पूरी करने का प्रयास रहे हैं।

इसी शोरगुल के बीच अडानी ग्रुप ने इजराइल का हाईफा पोर्ट खरीद लिया और ट्विटर पर इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू के साथ समूह के प्रमुख गौतम अडानी की फोटो साझा कर दी जिससे भारत विरोधी और मोदी विरोधी लोगों को ईर्ष्या होना स्वाभाविक ही है। गौतम अडानी देश के बाहर विदेशों में जाकर बड़े प्रोजेक्ट ले रहे हैं। उन्होंने श्रीलंका में चीन से पोर्ट छीन लिया और अफ्रीका में चीन और यूरोप की कंपनियों को सीधी टक्कर दे रहे हैं।

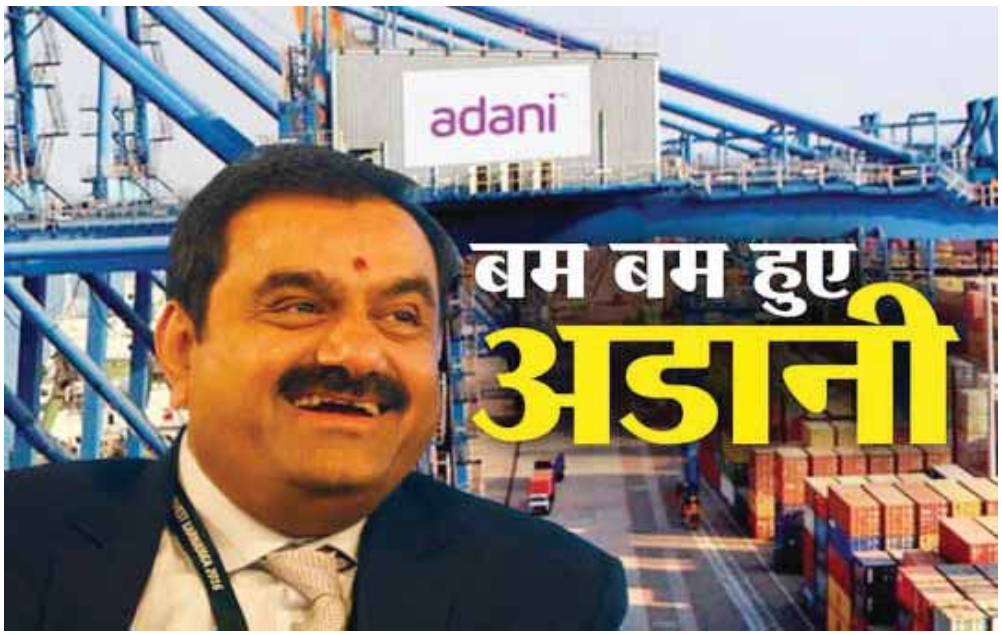

एक अकेला कितनों पर भारी...विपक्ष की नारेबाजी के बीच सीना ठोककर बोले पीएम मोदी

बजट सत्रः राज्यसभा में विपक्ष को पीएम मोदी का जवाब,

जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा

प्र जब प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में बोले थे तो विपक्ष सन्नाटे में चला गया था। 85 मिनट के स्पीच में मोदी ने 2024 की चुनावी स्टैट्रजी का ब्लू प्रिंट सामने रखा। पीएम मोदी ने विरोधियों को बता दिया कि चुनाव जीतना है और सरकार बनानी है तो हवाबाजी नहीं चलेगी। अब बारी राज्यसभा की थी। राज्यसभा में हंगामे के बीच पीएम मोदी ने कांग्रेस पर चुभते सवाल दागे। पूछा नेहरू सरनेम में शर्मिंदगी क्यों? पीएम मोदी ने कहा कि देश देख रहा है एक अकेला कितनों पर भारी है। कमल और कीचड़ का जिक्र कर पीएम ने विरोधियों पर तंज भी कसा। विपक्ष के हर आरोप पर प्रधानमंत्री गरजे, कांग्रेस के हर हमले पर राज्यसभा में बरसे। विपक्ष शोर करता रहा और प्रधानमंत्री बोलते रहे। परिवारवाद को लेकर तंज कसा, कांग्रेस की नीयत पर सवाल खड़े किए।

अनुच्छेद 356 के तहत आपातकालीन शक्तियों को लागू करके राज्य मशीनरी पर नियंत्रण रखने के अपने इतिहास के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये सबसे पुरानी पार्टी थी जिसने संवैधानिक प्रावधानों का सबसे अधिक दुरुपयोग किया और निर्वाचित राज्य सरकारों को अपनी इच्छा से गिरा दिया। पीएम मोदी के भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने बिजनेसमैन गौतम अडानी को लेकर नारे भी लगाए लेकिन फिर भी वो लगातार बोलते रहे। पीएम मोदी ने कहा कि इतना ही नहीं, एक प्रधानमंत्री ने अर्धशतक लगाते हुए 50 बार अनुच्छेद

356 का इस्तेमाल किया। वह नाम श्रीमती इंदिरा गांधी जी का है। गांधी-नेहरू परिवार को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि किसी अखबार में पढ़ा था कि 600 सरकारी योजनाएं गांधी-नेहरू परिवार के नाम पर हैअगर नेहरू जी के नाम उल्लेख ना हुआ तो कुछ लोगों के बाल खड़े हो जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू परिवार की पीढ़ी को नेहरू नाम रखने पर आपत्ति क्यों है। पीएम मोदी ने कहा कि 60 साल कांग्रेस के परिवार ने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए थे... जब वो गड्ढे खोद रहे थे, 6 दशक बर्बाद कर चुके थे... तब दुनिया के छोटे-छोटे देश भी सफलता के शिखरों को छू रहे थे। इतना बड़ा महान व्यक्ति अगर आपको मंजूर नहीं है, परिवार को मंजूर नहीं है और हमारा हिसाब मांगते रहते हैं। कुछ लोगों को समझना होगा ये सदियों पुराना देश सामान्य मानवी की पसीनों से बना देश है, ये देश किसी परिवार की जागीर नहीं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके आरोपों की 'कीचड' से 'कमल' को खिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही पूरे विपक्ष पर भारी पड़ रहे हैं, जिन्हें उनके विरोध में बारी-बारी से नारेबाजी करनी पड़ती है। अपनी छाती ठोकते हुए मोदी ने कहा कि वह देश के लिए जीते हैं और देश के लिए कुछ करना चाहते हैं, जिससे विपक्षी दल परेशान हैं तथा खुद को बचाने के लिए राजनीतिक खेल खेल रहे हैं पीएम मोदी ने कहा कि एक अकेला कितनों पर भारी पड़ रहा है।

उत्तर प्रदेश ग्लोबल समिट में बोले पीएम मोदी

पहले 'बीमारू' राज्य कहा जाने वाला उत्तर प्रदेश अब सुशासन के लिए पहचाना जाता है

उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ डबल इंजन सरकार का इरादा और दूसरी तरफ संभावनाओं से भरा उत्तर प्रदेश इससे बेहतर साझेदारी हो ही नहीं सकती। भारत की समृद्धि में दुनिया की समृद्धि निहित है। पीएम मोदी ने कहा कि ग्रीन ग्रोथ के जिस रास्ते पर भारत चल पड़ा है उसमें मैं आपको विशेष तौर पर आमंत्रित करता हूं। इस बार बजट में हमने 35,000 करोड़ रुपए सिर्फ एनर्जी ट्रांजिशन(नियोजित-ऊर्जा-संक्रमण) के लिए रखे हैं।उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर रिकॉर्ड खर्च आज सरकार कर रही है और हर वर्ष इसको हम बढ़ा रहे हैं। इसलिए आपके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश के नए मौके बन रहे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा में भी निवेश के अनेक अवसर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बहुत जल्द यूपी देश के उस इकलौते राज्य के तौर पर जाना जाएगा जहां 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से यूपी सीधे समुद्र के रास्ते से गुजरात से जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान बेहतर कानून व्यवस्था, शांति और स्थिरता से है। उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर की पहल के परिणाम नजर आ रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पहले 'बीमारू' राज्य के तौर पर जाना जाने वाला उत्तर प्रदेश अब सुशासन के लिए पहचाना जाता है। खराब आर्थिक प्रदर्शन वाले राज्यों को 'बीमारू' कहा जाता है। 'बीमारू' शब्द भारत के चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अंग्रेजी नाम के पहले अक्षर से गढ़ा गया शब्द है। मोदी ने 'उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023' का उद्घाटन करने के बाद कहा कि उत्तर प्रदेश आज एक उम्मीद बन चुका है। उन्होंने कहा, ''भारत अगर आज दुनिया के लिए उज्ज्वल बिन्दु है तो उत्तर प्रदेश भारत के विकास को गति देने वाला है।'' उन्होंने कहा कि 'श्री अन्न' के नाम से जाने जाने वाले भारत के मोटे अनाज को देशभर में प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने मोटे अनाज के लाभों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्य के रूप में जाना जाता था लेकिन अब इसकी पहचान बेहतर कानून व्यवस्था, शांति और स्थिरता के लिए है। मोदी ने कहा कि आज भारत के युवा की सोच में, भारत के समाज की सोच और आकाक्षांओं में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''आज भारत का हर नागरिक ज्यादा से ज्यादा विकास होते देखना चाहता है।'' इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में निवेशकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र 33 विभागों की 406 सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। इन्वेस्टर्स रिलेशनशिप मैनेजमेंट पोर्टल निवेशार्थी निवेशकों के जिज्ञासाओं के समाधान के साथ हर निवेशक के साथ उद्यमी मित्र की तैनाती करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने 5 वर्ष में अपने निर्यात को भी दोगुना किया है। आज प्रदेश बेहतरीन कानून व्यवस्था के लिए जाना जा रहा है।

पूरी हुई राहुल की भारत जोड़ो यात्रा

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले ही राहुल गांधी ने पदयात्रा करने की घोषणा कर दी थी, जिसे राहुल गांधी ने पूरी कर दिखाया है। कन्याकुमारी से अपने भारत जोड़ो पदयात्रा की शुरुआत करने वाले राहुल गांधी ने बिना थके, बिना रुके लगातार चलकर 4000 किलोमीटर की अपनी पदयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर देश की जनता को यह संदेश दिया है कि उनमें नेतृत्व करने की क्षमता आज भी बरकरार है। आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर से मजबूत होकर उभरेगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 145 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा का श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा झंडा फहराने के साथ ही समापन हो गया है। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई भारत जोड़ो पदयात्रा 12 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी है। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी करीबन 3970 किलोमीटर पैदल चले हैं। अब तक देश की राजनीति में एक असफल नेता के रूप में जाने जाने वाले राहुल गांधी अपनी इस पदयात्रा के बाद एक नए अवतार में परिपक्व राजनेता के रूप में नजर आने लगे हैं। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। यात्रा के दौरान राहुल गांधी का पूरा प्रयास था कि वह पूरी तरह वीआईपी कल्चर से दूर रहे। इस पदयात्रा में राहुल गांधी का एक अलग ही रूप देखने को मिला जो लोगों को आकर्षित व प्रभावित करने में सफल रहा है।

कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी मौजूदा दौर में बहुत कमजोर स्थिति से गुजर रही है। 2014 के बाद तो लोकसभा में कांग्रेस को विपक्ष के नेता के का पद भी नहीं मिल पाया है। देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो चुकी है। लगातार चुनाव हारने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि भी बहुत कमजोर हो गई थी। उन्हें जनाधार विहीन नेता के तौर पर माना जाने लगा था। राजनीतिक पर्यवेक्षक भी मानने लगे थे कि राहुल गांधी में चुनाव जिताने की क्षमता नहीं है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस शायद ही फिर से देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी बन सके। इन्हीं सब आशंकाओं के मध्यराहुल गांधी ने कुछ ऐसे फैसले किए

जिनसे उनकी छवि एक दृढ़ निश्चयी मजबूत नेता के रूप में उभरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उस समय सभी ने उनसे इस्तीफा वापस लेने के लिए बहुत दबाव भी डाला था। मगर वह अपने फैसले पर अटल रहे। अंततः सोनिया गांधी को कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनना पड़ा था। करीब तीन साल बाद कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव करवाए गए। इस दौरान भी कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने की अपील की थी। जिसे उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया था। राहुल गांधी ने अपनी पदयात्रा के दौरान सभी विपक्षी दलों के नेताओं को आमंत्रित कर विपक्ष को एकजुट करने का भी सार्थक प्रयास किया था। बहुत से विपक्षी दलों के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल भी हुए। जिससे देश की जनता को एक संदेश गया कि कांग्रेस के बिना विपक्ष की राजनीति हमेशा ही अधूरी रहेगी। जब तक कांग्रेस केंद्र में नहीं रहेगी तब तक विपक्षी एकजुटता नहीं हो पाएगी। कांग्रेस के बिना भाजपा को हराना संभव नहीं है। पूरे देश में आज भी कांग्रेस का जनाधार बरकरार है। हाल ही में कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में सत्तारुढ़ भाजपा को करारी शिकस्त देकर अपनी सरकार बनाई है। जिससे साबित होता है कि कांग्रेस में आज भी भाजपा से दो-दो हाथ करने का दमखम बाकी है।

राहुल गांधी द्वारा अपनी पदयात्रा में विपक्षी नेताओं को आमंत्रित करना इस बात का द्योतक है कि राहुल गांधी बड़े मन से राजनीति करना चाहते हैं। उनका इरादा सभी विपक्षी दलों को साथ लेने का है। राहुल गांधी की पदयात्रा में डीएमके, वामपंथी दल, राष्ट्रीय जनता दल, महाराष्ट्र की उद्धव बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी जैसी बहुत-सी विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने शामिल होकर विपक्षी एकता मजबूत करने की बात कही है। इस पदयात्रा में शामिल होने वाले विपक्षी दलों के सभी नेताओं ने राहुल गांधी की सराहना करते हुए उनके साथ मिलकर विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। इससे लगता है कि आने वाले समय में कांग्रेस एक मजबूत गठबंधन बनाकर भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रयास करेगी।

2024 के लिए फिर नड्डा को कमान

भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिक धरातल को मजबूती देने, उसके संगठन के आधार को सुदृढ़ बनाने, उसका जनाधार बढ़ाने एवं विभिन्न राज्यों एवं लोकसभा चुनाव में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने की दृष्टि से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने नये कार्यकाल में अग्रसर हो रहे हैं, प्रतीक्षा और कयासों को विराम देते हुए भाजपा ने उनका कार्यकाल वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव तक बढ़ा दिया है। एक बड़ी चुनौती के रूप में वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव एवं वर्ष 2023 में नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। नड्डा ने न केवल देश के निराशाजनक आर्थिक परिदृश्य, महंगाई और बेरोजगारी के बीच पार्टी की पताका लहराने का बल्कि नौ ही विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दिलाने का संकल्प व्यक्त किया है। जेपी आंदोलन से सुर्खियों में आए नड्डा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सफल नेतृत्व कर राजनाथ सिंह एवं अमित शाह के नेतृत्व में आये स्वर्ण युग को जारी रखा है और अब एक नये अभ्युदय की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

एक जमीनी कार्यकर्ता से ऊपर उठकर राजनीति में चमकते सितारे की तरह जगह बनाने वाले नड्डा राजनीतिक कौशल में महारथ हासिल कद्दावर के नेता हैं। अनेक सफलताओं एवं कीर्तिमानों के बीच कुछ हार भी उनकी झोली में गिरी है। गुजरात में भाजपा की शानदार जीत के उत्साह के साथ अध्यक्ष का कार्यकाल बढ़ने का ईनाम मिला तो है लेकिन गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में सरकार खोने का दर्द भी है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार के पंजाब तक पहुंचना एवं दिल्ली के निकाय चुनावों में अपेक्षित जीत न मिल पाना भी भाजपा के लिए संकट के रूप में है। बावजूद नड्डा ने भाजपा के ताज में मणि ही जड़े हैं। भाजपा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले नड्डा को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आशीर्वाद, अटूट विश्वास और अमित शाह का पूरा समर्थन मिला। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नड्डा की राह में असली चुनौतियों एवं संघर्ष की भरमार अब सामने है। यही उनके लिये असली परीक्षा का समय

भी है, जब उन्हें वर्ष 2023 में 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव वर्ष 2024 के आम चुनावों में अपनी क्षमता, राजनीतिक कौशल और सामर्थ्य को दर्शाना है एक उत्कृष्ट संगठनात्मक नेता के रूप में जेपी नड्डा का पिछला अध्यक्षीय कार्यकाल संतोषजनक ही नहीं, बल्कि यशस्वी, उत्साहवर्धक एवं करिश्माई रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल में विधानसभा चुनावों में 70 फीसदी से अधिक सफलताएं हासिल की हैं। वर्ष 2024 तक के लिए उनके कार्यकाल का विस्तार उनकी उच्चस्तरीय क्षमता को ही प्रदर्शित करता है। नड्डा के समक्ष अपने गठबंधन साझेदारों को साथ लेकर चलने समेत कई चुनौतियां हैं। एनडीए का साथ छोड़कर कई दलों ने अपनी राह पकड़ ली है। देखा जाए, तो राज्यों में नड्डा की चुनावी सफलताएं निर्बाध रूप से जारी रही हैं। 2019 में भाजपा हरियाणा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और उसने जननायक जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बनाई। बिहार में पार्टी को 74 सीटों पर जीत मिली। कोरोना महामारी के बाद असम, यूपी, मणिपुर, उत्तराखंड और गुजरात में चुनावी सफलता मिली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना कि नड्डा को अब कर्नाटक की सत्ता में फिर से वापसी को लेकर बड़ी योजना तैयार करनी होगी।

सीएम शिवराज ने शुरू की विकास यात्रा, 397 करोड़ की 121 योजनाओं का लोकार्पण

विकास यात्रा से चुनावी शंखनाद

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विकास यात्रा मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के संभाग स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने भिंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां करीब 397 करोड़ की 121 योजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। वहीं, उन्होंने आने वाले समय में दो अहम योजनाओं की घोषणा भी की। इसके अलावा भिंड को सौग़ात देते हुए मुख्यमंत्री ने मंच से जिले में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत करने के साथ ही लंबे समय से चली आ रही नगर निगम बनाए जाने की मांग को भी स्वीकार कर लिया।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत भिंड जिला मुख्यालय पर एमजेएस ग्राउंड में चंबल संभाग का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया ष्टरूशिवराज सिंह चौहान ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। वहीं, मंच पर पहुंचे सीएम ने अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि चंबल संभाग में ऐसे अभियान के तहत 38 योजनाओं में करीब तीन लाख 77 हजार लोगों को लाभ मिला है जिसके स्वीकृति पत्र आज वितरित किए जा रहे हैं। सीएम ने संबोधन के दौरान मंच से लाड़ली लक्ष्मी योजना की शुरुआत की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के बाद अब बहनों के लिए मैंने लाड़ली बहना योजना तैयार की है। इसके तहत प्रति महीना एक हजार रुपये बहनों के खाते में डाले जाएंगे। यह योजना परिवार में अचानक पैसों की जरूरत को देखते हुए बनाई गई है। घर में दूध खत्म हो जाए, सब्ज़ी के लिए पैसों की जरूरत हो, बच्चे की फीस भरनी हो इसके लिए हर महीने अब एक हजार रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए आने वाली आठ मार्च को महिला दिवस पर शुभारंभ करते हुए फार्म भरने शुरू होंगे। ताकि प्रदेश की सभी बहनों को इसका लाभ मिल सके। इसके लिए सरकार को पांच साल में 60 हजार करोड़ रुपये की जरूरत होगी। हालांकि इस योजना में आठ लाख से कम आय वाले परिवारों को शामिल किया जाएगा। इनमें ऐसे परिवार जो आर्थिक रूप से मजबूत होंगे, जिनके पास पांच एकड़ जमीन, इनकम टैक्स भरने वाले परिवारों को इस योजना से दूर रखा जाएगा। सीएम ने भिंड की जानता की मांग पर जिले में मेडिकल कॉलेज और भिंड को नगर निगम बनाए जाने की स्वीकृति की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि जब मेडिकल कॉलेज बनता है तो सिर्फ कॉलेज नहीं बल्कि अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार होता है, लोगों को बीमारियों के इलाज की बेहतर व्यवस्थाएं मिलती हैं। ठ्ठवहीं, नगर निगम बनाए जाने को लेकर भी ष्टरूने मंच से कहा कि भिंड की आबादी के अनुसार यहां अब नगर निगम बनाया जाना चाहिए। जल्द ही अधिकारी इससे संबंधित दस्तावेज़ तैयार करें। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम समाप्ति पर विकास यात्रा के पांच रथों को मंच से ही हरी झंडी दिखाई। साथ ही लोगों से अपील की कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए ऐसे हितग्राही जो लाभ से वंचित रह गए हैं या जिन्हें सरकारी योजनाओं के अलावा बंटवारे और अन्य तरह की समस्याएं आ रही हैं, वे इन विकास यात्राओं में शामिल जरूर हों।

संत रविदास जयंती पर कमलनाथ ने ग्वालियर से किया चुनावी शंखनाद

मप्र पुरानी पेंशन योजना लागू करेंगे-कमलनाथ

ग्वालियर शहरा मैदान थाठीपुर में कांग्रेस पार्टी द्वारा बृहद स्तर पर संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के मुख्य आतिथ्य में धूम-धाम से मनाई गई। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण यादव, नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रामनिवास रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं ग्वालियर प्रभारी महेन्द्र सिंह चौहान, महापौर श्रीमती डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, पूर्व मंत्री एवं विधायक लाखन सिंह यादव, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, विधायक प्रवीण पाठक, विधायक सुरेश राजे, विधायक प्रागीलाल जाटव, विधायक मेवाराम जाटव, विधायक बैजनाथ कुशवाह एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ और अन्य सभी नेताओं ने संत शिरोमणि रविदास महाराज जी के छायाचित्र पर माल्यपर्ण कर नमन किया। कार्यक्रम में संत शिरोमणि रविदास महाराज जी के अनुयाईयों एवं सभी धर्मो के संतों और गुरूओं का शॉल-श्रीफल भेंट एवं माल्यपर्ण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज जी चरणों में नमन करता हूँ। कर्मचारियों को लुभाने के लिये कांग्रेस नेता कमलनाथ ने ग्वालियर में कर्मचारियों के बीच दोहराया है कि हमारी सरकार बनेगी तो सबसे पहले हम पुरानी पेंशन लागू करने का काम करेंगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की कई योजनाओं को 2018 के विधानसभा चुनाव में मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। इन्हीं योजनाओं के दम पर कांग्रेस ने 15 वर्ष के बाद मध्यप्रदेश की सत्ता में वापिसी की थी। कमलनाथ ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज जी ने हमें यह संदेश दिया कोई व्यक्ति किसी जाति में जन्म के कारण छोटा नहीं होता है, ब्लकि उसके कर्म उसे छोटा बनाते है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई देश नही है, जहां इतनी जातियां हों, जहां इतने युवा हों, जहां इतने देवी-देवता हो और इसके बाद भी सभी मिल-जुल कर रहते है। श्री नाथ ने संत शिरोमणि रविदास महाराज जी को याद करते हुये कहा कि आज हमें उनके संदेशों और आदर्शो पर अमल करके अपने जीवन को जीना चाहिए। हमारे देश में संस्कृति की नींव संतों द्वारा ही रखी गई है, आज अगर हमारा देश एक झण्ड़े के नीचे खडा है और देश की संस्कृति जोड़ने के संस्कार भी हमें संतों द्वारा ही दिये

गये हैं। उन्होंने कहा कि आज हम सब यह प्रण लेते है कि अपने देश की संस्कृति को जीवित रखेगें और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान को आदर्श बनायेंगे। श्री नाथ ने कहा कि आज देश, प्रदेश एवं संस्कृति संकट में है, जिसका मुख्य कारण भाजपा के द्वारा फैलाया जा रहा अंधविश्वास है। आज हम सभी को यह तय करना है कि अपनी आने वाली पीढियों को हम कैसा देश व प्रदेश देना चाहते हैं, आज हमारे देश की संस्कृति खतरे में है और पंजाब में तो खालिस्तान के नारे लग रहे है। श्री नाथ ने कहा कि आने वाले चुनाव में हम सभी को देश व संस्कृति का भविष्य तय करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को धर्म और जाति के आधार पर बांटना चाहती है, लेकिन एकता की आवाज बहुत ऊँची होती है, आपको और हमको मिलकर ऐसा देश-प्रदेश अपनी आने वाली पीढियों को सौंपना है, जिसका सपना संत शिरोमणि रविदास महाराज जी एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देखा था। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उमड़े जन-समुदाय को संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती की बधाई दी और कहा कि हमें गर्व है कि हम उस धरती पर पैदा हुये, जिस धरती पर संत और महात्मा जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा कि करीब 600 वर्ष पहले गरीब और दलितों को शिक्षा का अधिकार नही था, संत शिरोमणि रविदास महाराज जी ने अपनी वाणी से गरीब और दलितों को शिक्षा का अधिकार दिलवाया। संत महाराज जी ने यह संदेश दिया कि हर धर्म का रास्ता एक ही है। लेकिन भाजपा ने आज देश में यह माहौल पैदा कर दिया है कि धर्म और संविधान खतरे में है। श्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा गरीबों का हक मारना चाहती है, लेकिन आप और हम मिलकर देश और संविधान को भाजपा से बचायेगें। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण यादव ने कहा कि आज हम सब यहा पर संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती मनाने के लिए एकत्रित हुये है, संत शिरोमणि रविदास जी ने पिछडों, दलितों को मुख्य धारा से जोडनें का काम किया है। आज हमारा देश और समाज साथ है तो सिर्फ संत शिरोमणि रविदास जी की आदर्शो एवं मार्गदर्शन की वजह से है। आज हम यह संकल्प लेते है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पिछड़े, दलितों और नौजवानों की सरकार बनायेंगे। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह, विधायक बैजनाथ कुशवाह, विधायक सुरेश राजे, पूर्व विधायक कमलापत आर्य आदि ने भी विचार व्यक्त किये। महापौर श्रीमती डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने आभार एवं कांग्रेस के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष अमर सिंह माहौर ने संचालन किया।

झारखंडः सरकार ने शुरू की जल संरक्षण योजना सूखा पीड़ित किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए खर्च होंगे 467 करोड़

किसी आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री का कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया गया, सीएम सोरेन का छलका दर्द

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के उन किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 467.32 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ जल संरक्षण योजना शुरू की, जिन्होंने पिछले साल सूखे का सामना किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम के तहत, राज्य के 24 जिलों के सभी ब्लॉकों में 2,133 तालाबों का नवीनीकरण और 2,795 परकोलेशन टैंकों का निर्माण किया जाएगा। मंत्री ने 71 तालाबों और 184 परकोलेशन टैंकों के नवीनीकरण कार्य की भी आधारशिला रखी। एक परकोलेशन टैंक भूजल भंडारण को रिचार्ज करने के लिए एक कृत्रिम रूप से निर्मित सतह जल निकाय है। रांची के नगरी इलाके में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, सरकार झारखंड के किसानों के लाभ के लिए सभी प्रयास कर रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी पर परोक्ष रूप से आरोप लगाते हुए कहा है कि झारखंड में किसी आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया गया। राज्य में आदिवासी नेता को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की जा रही है। सोरेन ने खुद को झारखंडी बताते हुए यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी झूठे आरोप लगाकर उन्हें मुख्यमंत्री के पद से हटाने की साजिश रच रही है। बता दें कि झामुमो के 51वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रैली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोल रहे थे। उन्होंने भाजपा का नाम लिये बगैर कहा कि झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को तीन साल पूरा होने से पहले ही हटा दिया गया। बाद में अर्जुन मुंडा को तीन साल से अधिक समय पद पर नहीं रहने दिया गया। उन्होंने कहा कि लेकिन उसी के साथ, एक छत्तीसगढ़ी को मुख्यमंत्री बनाया गया और उन्हें पांच साल का कार्यकाल पूरा करने दिया गया। झामुमो नेता परोक्ष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का उल्लेख कर रहे थे जिनका पैतृक घर छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में बोइरहीड में था।

पारसनाथ हिल्स पर सियासी घमासान, सीएम सोरेन बोले- विभाजनकारी राजनीति न करे भाजपा

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर पारसनाथ हिल्स यानी मारंग बुरु पर 'विभाजनकारी' राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य में पहले कभी किसी धार्मिक स्थल को लेकर इस तरह का विवाद नहीं देखा गया। जैन समुदाय झारखंड सरकार द्वारा पारसनाथ हिल्स को पर्यटन स्थल में तब्दील करने के फैसले का विरोध कर रहा है, क्योंकि वह उसे अपने पवित्र स्थानों में से एक मानता है। आदिवासी पारसनाथ हिल्स को सबसे पवित्र 'जेहरथन' (पूजा स्थल) मानते हैं सोरेन ने गिरिडीह में एक रैली में कहा कि एक धार्मिक स्थल पर राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देशभर के जैन पारसनाथ हिल्स को पर्यटन स्थल के रूप में नामित करने वाली झारखंड सरकार की 2019 की अधिसूचना को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। उन्हें डर है कि इससे उन यात्रियों का तांता लग जाएगा जो उनके पवित्र स्थल पर मांसाहारी भोजन और शराब का सेवन कर सकते हैं। पिछले महीने शुरू हुए पारसनाथ हिल्स विवाद के पीछे केंद्र और भाजपा के छिपे हुए एजेंडे पर संदेह करते हुए मुख्यमंत्री ने आदिवासी समुदाय को आश्वासन दिया कि मारंग बुरु (सर्वोच्च शक्ति या देवता) वहीं बने रहेंगे। सोरेन खतियानी जौहर यात्रा के दूसरे चरण के दौरान गिरिडीह में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विभाजनकारी राजनीति खेली जा रही है।

वे हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों, ईसाइयों और पिछड़ों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब वे पारसनाथ पर जहर के बीज बो रहे हैं। इससे पहले जैन और आदिवासियों के बीच ऐसा विवाद कभी नहीं हुआ था। वे वहां शांति से पूजा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ जैसे केंद्रीय बलों को 'आदिवासी संस्कृति और परंपरा' (आदिवासी संस्कृति और परंपरा) को निशाना बनाने से परहेज करने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी खबरें थीं कि वे समुदाय के लोगों से धनुष और तीर जब्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धनुष और तीर हमारे अस्तित्व का हिस्सा हैं। आदिवासी भावनाओं के साथ मत खेलो, अन्यथा इसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। छापे के दौरान चावल, दाल और कपड़े लें लेकिन धनुष और तीर को न छुएं क्योंकि ये आदिवासी संस्कृति, पहचान और परंपरा का हिस्सा हैं।मुख्यमंत्री सोरेन ने केंद्र पर प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों को लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया, क्योंकि वह झारखंड में किए गए विकास कार्यों से डर रही थी।

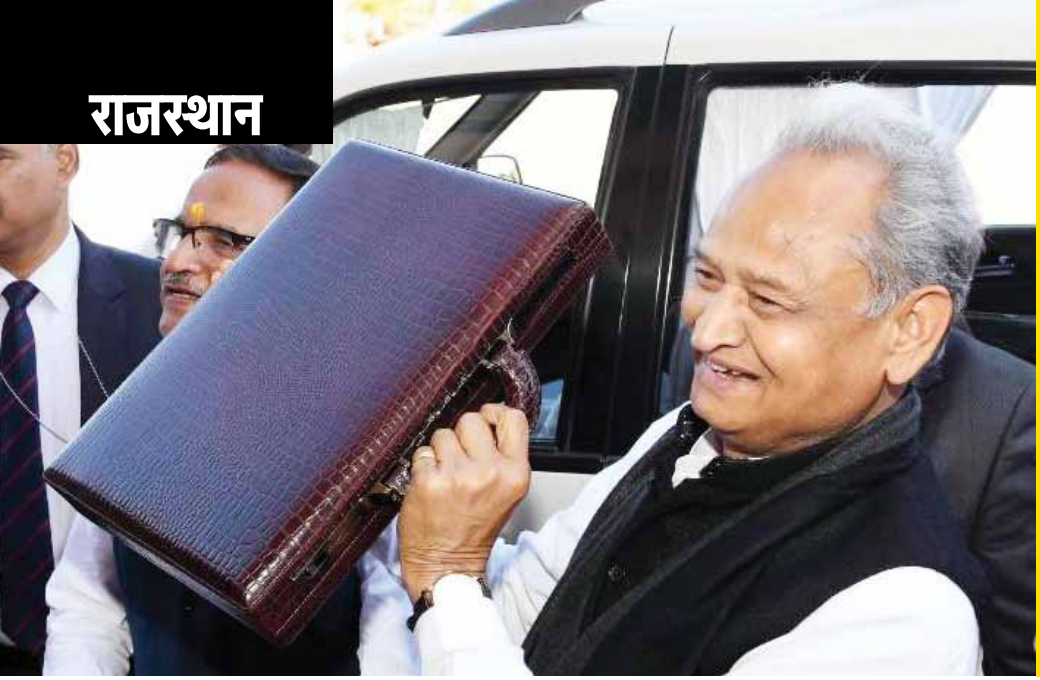

गहलोत का बजट

सीएम अशोक गहलोत ने 19,000 करोड़ रुपये के महंगाई राहत पैकेज की घोषणा की

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए अगले साल 19,000 करोड़ रुपये का महंगाई राहत पैकेज देने की घोषणा की है। इस पैकेज में गरीब परिवारों को हर माह निःशुल्क फूड पैकेट, 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर तथा घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली शामिल है। इसके साथ ही गहलोत ने जनता के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना की अपनी महत्वाकांक्षी 'चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' में कवर राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये सालाना करने की घोषणा की है।

500 रुपये में गैस सिलेंडर, हर महीने फूड किट और 25 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने समाज के गरीब तबके लिए बड़ी घोषणाएं करते हुए उसे 500 रुपये में गैस सिलेंडर व हर महीने फूड किट देने, 25 लाख रुपये तक इलाज मुफ्त कराने व 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त करने की घोषणा की।मौजूदा कार्यकाल में अपना आखिरी बजट पेश करते हुए गहलोत ने लोगों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए कुल मिलाकर 19,000 करोड़ रुपये के 'महंगाई राहत पैकेज' की घोषणा की। इसके साथ ही गहलोत ने पुरानी पेंशन योजना 'ओपीएस' का दायरा बढ़ाते हुए राज्य में बोर्डों और निगमों के कर्मियों के लिए भी इसे लागू करने की घोषणा की।

अपने बजट भाषण में गहलोत ने कहा, ''मैं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के दायरे में आने वाले लगभग एक करोड़ परिवारों को आगामी वर्ष निःशुल्क राशन के साथ साथ प्रति माह निःशुल्क मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा फूड पैकेट दिए जाने की घोषणा करता हूं। इस पैकेट में एक-एक किलो दाल, चीनी, नमक, एक लीटर खाद्य तेल उपलब्ध करवाया जाएगा। इसपर लगभग 3,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।'उन्होंने कहा, 'बीपीएल' व प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में शामिल निम्न आय वर्ग के लगभग 76 लाख परिवारों को घरेलू सिलेंडर आगामी वर्ष से 500 रुपये में उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इसपर 1,500 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।''

उन्होंने कहा, ''घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली प्रति माह निःशुल्क दी जाएगी। यह सीमा अभी 50 यूनिट थी। इससे प्रदेश के 1.19 करोड़ में से 1.04 करोड़ से अधिक परिवारों को घरेलू बिजली निःशुल्क मिल सकेगी। इस पर 7,000 करोड़ रुपये का भार आएगा।'' गहलोत ने कहा, ''चरणबद्ध तरीके से 300 यूनिट प्रतिमाह उपभोग करने वाले घरेलू उपयोक्ताओं को निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। इस प्रकार हमारे द्वारा डीजल-पेट्रोल पर लागू वैट को कम कर लगभग 7,500 करोड़ रुपए की छूट को आगे भी जारी रखी जाएगी। साथ-साथ आगामी वर्ष सस्ते एलपीजी सिलेंडर, निःशुल्क घरेलू बिजली का 19,000 करोड़ रुपये से अधिक का महंगाई राहत पैकेज दिया जाना प्रस्तावित है।''

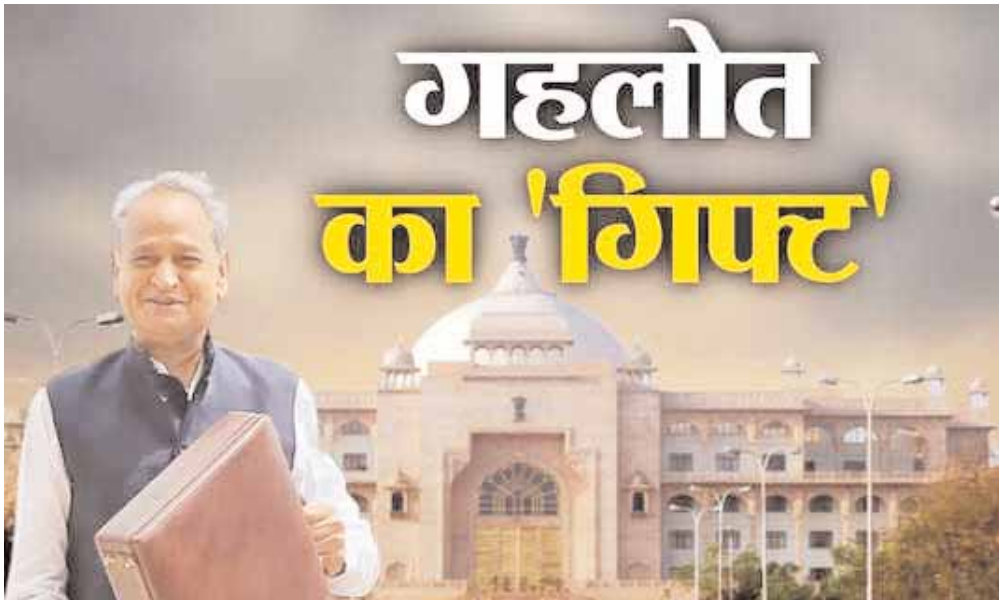

मुख्यमंत्री ने महत्वाकांक्षी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रति परिवार बीमा कवर को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ अब गरीब (बीपीएल) के साथ साथ आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) परिवारों को भी मिलेगा। गहलोत ने इस योजना के तहत दुर्घटना बीमा की राशि को भी पांच लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की घोषणा की। गहलोत ने ओला, उबर, स्विगी, जोमैटो आदि कंपनियों के कर्मचारियों गिग वर्कर्स (अस्थायी कर्मचारी) के लिए 200 करोड़ रुपये का कल्याण कोष स्थापित करने की घोषणा की है।उन्होंने कहा कि 'गिग इकॉनमी' का दायरा बढ़ रहा है और राज्य में 'गिग वर्कर्स' की संख्या बढ़कर 3-4 लाख हो गई है और इनकी सामाजिक सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।

गणतंत्र दिवस

परेड में दिखा बदलते भारत का नया अंदाज

राष्ट्रीय गौरव के अवसर गणतंत्र दिवस पर गणतंत्र दिवस परेड भारत की ताकत को पूरी दुनिया के सामने रखने का एक बड़ा अवसर होता है और इस बार परेड में पूरी दुनिया ने

कर्त्तव्य पथ पर भारत की लगातार बढ़ती ताकत को देखा। पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस पर तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली। गणतंत्र दिवस परेड में आयोजित किए गए रंगारंग कार्यक्रमों के अलावा देश की संस्कृति और परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए निकाली गई झांकियों तथा पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाने के लिए तीनों सेनाओं के जवानों द्वारा किए गए अनोखे करतबों ने हर किसी का मोह लिया। सही मायनों में इस वर्ष परेड में कर्त्तव्य पथ पर देश की सांस्कृतिक विरासत और सैन्य शक्ति की झलक स्पष्ट दिखाई दी। हालांकि इस वर्ष भी परेड के दौरान होने वाले आयोजनों में कुछ बदलाव किए गए थे। देश की आजादी के बाद लगातार दूसरी बार ऐसा हुआ, जब परेड 10 बजे के निर्धारित समय के बजाय आधे घंटे देरी से शुरू हुई। गणतंत्र दिवस परेड में पहले जहां सवा लाख लोग परेड देखने पहुंचते थे, वहीं इस बार दर्शकों की संख्या काफी कम कर दी गई थी और साथ ही वीआईपी आमंत्रण पास की संख्या में भी भारी कटौती की गई थी। हालांकि कोविड काल में केवल 25 हजार लोगों को ही आमंत्रित किया गया था लेकिन इस बार कर्त्तव्य पथ पर भव्य गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए 45 हजार दर्शकों की ही अनुमति थी। वीआईपी मेहमानों की संख्या भी 12 हजार तक सीमित कर दी गई थी।

परेड में सेना की मार्चिंग टुकड़ियों से लेकर टैंक, तोप और बैंड के अलावा वायुसेना के फ्लाईपास्ट ने इस आकर्षण में चार चांद लगा दिए। कई विमानों के फ्लाईपास्ट के दौरान भारत के लड़ाकू विमानों का शौर्य पूरी दुनिया को देखने को मिला। कर्त्तव्य पथ पर देश की प्रगति और संस्कृति को दर्शाती सांस्कृतिक झांकियां भी बदलते भारत के नए अंदाज और अहसास का अनुभव कराती नजर आई। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान इस बार तीनों सेनाओं के कुल 75 एयरक्राफ्ट ने कर्त्तव्य पथ पर अपनी ताकत दिखाई, जिनमें फ्रांस से आया राफेल भी सम्मिलित था। इन 50 एयरक्राफ्ट में वायुसेना के 45, नौसेना का 1 और थलसेना के 4 एयरक्राफ्ट शामिल थे, जिनमें 23 फाइटर जेट, 18 हेलीकॉप्टर, 8 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान के अलावा नौसेना का सबसे पुराना टोही विमान आईएल-38 भी था। गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार भारतीय वायुसेना की गरुड़ स्पेशल फोर्स

ने भी हिस्सा लिया। कर्त्तव्य पथ पर डेयरडेविल्स ने तो अपने हैरतअंगेज प्रदर्शनों से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाइक पर डेयरडेविल्स ने कमाल के स्टंट दिखाए और इस दौरान वे बाइक पर योग की मुद्राएं करते भी दिखाई दिए। गणतंत्र दिवस परेड ने इस बार देश की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विविधता के अनूठे मिश्रण के साथ भारत की बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं, नारी शक्ति और 'न्यू इंडिया' के उद्भव का विलक्षण प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस बार कर्त्तव्य पथ पर बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

मुख्यमंत्री चौहान ने जबलपुर में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्र ध्वज फहराया, की घोषणाएँ

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बन रहा शक्तिशाली भारत

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिहं चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने और विकास के लिये हर नागरिक अपना योगदान दे। मध्यप्रदेश के नागरिक कोई एक नेक कार्य अपनाएँ। इनमें पौधे लगाना, पर्यावरण-संरक्षण पानी बचाना, बिजली की बचत, नशामुक्ति शामिल हों। जनता के सहयोग से ही मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाएंगे। हर नागरिक सर्वश्रेष्ठ योगदान दे। जन-भागीदारी के मंत्र से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करें। सरकार के साथ सभी के सहयोग से हमें मध्यप्रदेश बनाना है। प्रदेश के साढ़े आठ करोड़ नागरिकों के 17 करोड़ हाथ आगे आयें और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जबलपुर में गैरीसन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली और शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था वाला देश है। आने वाले कुछ वर्ष में भारत का क्रम तीसरा होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोरोना काल में वैक्सीन के निर्माण और अन्य देशों को सहयोग का उदाहरण दुनिया में प्रस्तुत किया। आज हमारा देश स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित है। आत्म-निर्भर भारत के निर्माण के लिये हमें आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर में आकर मन प्रसन्न है। कल संध्या के समय नर्मदा जी के घाट पर जाने का अवसर मिला। नर्मदा मैया हम सभी को आशीर्वाद देती हैं। जबलपुर के नर्मदा घाटों का कॉरिडोर बनाया जायेगा। नर्मदा के घाटों के उन्नयन कार्य के साथ ही उन्हें परस्पर जोड़ने का कार्य कर नर्मदा पथ विकसित किया जायेगा। तीन चरणों में अलग-अलग नर्मदा परिक्रमा पथ बनेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक प्रगति के लिये बहुआयामी प्रयास किये जा रहे हैं। हाल ही में इंदौर में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 15 लाख 40 हजार 550 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इससे करीब 29 लाख लोगों को जीविका मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जबलपुर में भटौली क्षेत्र में औद्योगिक नगर विकसित होगा। इसके लिये भूमि चिन्हित कर ली गई है। गारमेन्ट और टेक्सटाइल की इकाइयाँ बनेंगी। ये इकाइयाँ बहन और बेटियों के

आर्थिक उन्नयन का भी मजबूत माध्यम हैं। इस क्षेत्र में रहवासी इलाके विकसित होंगे। भंडारण सुविधाएँ भी विकसित होंगी। हमारा प्रयास है कि ग्रीन फील्ड शहर की अवधारणा को लागू करें। जबलपुर के इस क्षेत्र में रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग की निकटता होने से औद्योगिक विकास की अच्छी संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं को साकार किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महाकौशल अंचल में अनेक विकास कार्य हो रहे हैं। करीब 66 हजार करोड़ की सिंचाई परियोजना के कार्य जारी हैं। केन-बेतवा परियोजना के लिये 44 हजार करोड़ की राशि प्राप्त हो रही है। बरगी बांध की निर्माणाधीन टर्नल पर स्लीमनाबाद के पास कार्य चल रहा है। अब तो विंध्य अंचल में नागौद तक पानी पहुँचने वाला है। जबलपुर के शहरी क्षेत्र के साथ ही निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों का तेजी से विकास होगा। जबलपुर में 3500 करोड़ रूपये लागत का रिंग रोड बन रहा है। प्रदेश का दूसरा ग्लोबल स्किल पार्क जबलपुर में बनाया जायेगा। इसमें युवाओं को प्रशिक्षित किये जाने की व्यवस्था होगी। प्रदेश के स्किल्ड युवा दुनिया के देशों में जाकर सेवाएँ देंगे। अधो-संरचना को मजबूत बनाने वाले सभी कार्य तेज गति से चल रहे हैं। पूरे प्रदेश में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति का संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की विकास दर में वृद्धि हुई है, जो इस समय 19.76 प्रतिशत है और सबसे ज्यादा है। देश की अर्थ-व्यवस्था में योगदान 3.6 प्रतिशत से बढ़ कर 4.6 हो गया है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक आय जो वर्ष 2003 में सिर्फ 13 हजार थी, वह बढ़कर 1 लाख 37 हजार हो गई है। अधो-संरचना को मजबूत बनाते हुए सिंचाई, सड़क, बिजली, पेयजल आदि कार्यों को पूरा किया गया। मध्यप्रदेश अब टूटी-फूटी सड़कों के लिये नहीं बल्कि 4 लाख किलोमीटर लम्बाई की शानदार सड़कों के लिये जाना जाता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगातार कार्य हो रहा है। रीवा के सौर ऊर्जा संयंत्र के बाद ओंकारेश्वर में बांध की जल राशि पर फ्लोटिंग प्लांट स्थापित किया जा रहा है। नीमच, शाजापुर, छतरपुर और मुरैना में भी सौर ऊर्जा परियोजनाएँ क्रियान्वित होंगी। प्रदेश में कभी 3 हजार मेगावाट से भी कम बिजली होती थी, जो अब आठ गुना से अधिक हो गई है।

सरकार बेरोजगार युवाओं को शस्त्र लाइसेंस दें: सुरेंद्र सिंह तोमर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बने रामकुमार सिकरवार भोपाल में हुआ भव्य स्वागत

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो भोपाल

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का अमृत महोत्सव एवं प्रांतीय सम्मेलन निर्वाचन रविवार मानस भवन भोपाल में संपन्न हुआ जिसमें मे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शिवराम सिंह गौर राजीव गुड्डू भदौरिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक सिंह तोमर राष्ट्रीय महामंत्री छोटे सिंह भदौरिया राष्ट्रीय सचिव रेनु राजावत ग्वालियर संभागीय अध्यक्ष मोहेंद्र सिंह तोमर जिलाध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्ष बनने पर मुरैना जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र तोमर में माला पहनाकर दी बधाई

ग्वालियर एवं कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तोमर की उपस्थिति में मध्य प्रदेश के 52 जिले के पदाधिकारियों ने सर्व सम्मति से नव निर्वाचित दिनांक 15/1/23 को मानस भवन भोपाल मे आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा श्री शिवराम सिंह गौर जी की अतुल्य सेवाओं को याद करते हुए अमृत महोत्सव राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आदरणीय श्री सुरेंद्र सिंह तोमर ने आदरणीय श्री शिवराम सिंह गौर का जीवन परिचय देते हुए मनाया गया एवम प्रांतीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमे वरिष्ठ प्रदेश अध्यक्ष पद श्री रामकुमार सिंह सिकरवार जी नियुक्ति हुई महिला प्रदेश पद आदरणीय श्रीमती प्रियंका राणा जी की नियुक्ति हुयी एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष पद आदरणीय श्री डॉ सतेंद्र राजपूत जी की नियुक्ति हुयी सभी को बधाई शुभकामनायें कार्यक्रम सफलता इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तोमर ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जब युवाओं के रोजगार की बात करती है तो युवाओं को बंदूक का लाइसेंस दे देना चाहिए जिससे वह सिक्योरिटी कंपनी में जाकर अपना जीवन यापन कर सकें यह सबसे सरल और साधारण तरीका है जिससे सरकार को फायदा होगा इसी तर्ज पर रेत के ठेकों में बड़ी-बड़ी कंपनियों को ना देते हुए युवा रोजगार से जोड़ा जाए नियम बद्ध तरीके से रेत के काम में अवैध तरीके से लेपट बड़े-बड़े व्यापारियों को ना देते हुए छोटे छोटे कस्बा स्तर पर रेत का कार्य दिया जाए जिससे कोई रॉयल्टी काटेगा कोई रेत लेकर जाएगा अनेकों बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा इधर SC-st के मामले में श्री तोमर ने कहा कि हम SC-st कानून खत्म करने की बात नहीं करते हमारा कहना यह है कि किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई होने से पहले उच्च स्तरीय जांच हो सत्य पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो इधर जब उनसे बात की गई कि आप आरक्षण का विरोध करते है श्री तोमर ने बताया कि हम आरक्षण रुपी दीमक को हटाने की बात नहीं करते है हमारा कहना है कि आरक्षण जातिगत आधार पर ना होते हुए आर्थिक आधार पर हो आरक्षण पहले उन गरीब अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्ति को मिले जिस का हक है गरीबी जाति देख कर नहीं आती गरीब हर समाज और जाति मे है यही हमारी प्रमुख मांग है प्रदेश के समस्त जिलों से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे कार्यक्रम में विशेष रूप से सम्मिलित होने वालों में पुष्पेंद्र सिंह तोमर सुनीता तोमर सतीश चौहान रविन्द्र सिंह परिहार सतेंद्र सिंह भदौरिया सुखवीर, राम राजावत,प्रजेश सिंह बैस इंद्रपाल सिंह तोमर बाबू राठौड़ मुकेश परिहार माधवी चौहान आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे तोमर इत्यादि भारी संख्या में क्षत्रिय महासभा के लोग सम्मिलित हुए हैं।

भोपाल के बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स का रंगारंग समापन, मध्यप्रदेश ने 39 स्वर्ण पदक प्राप्त किए

खिलाड़ियों ने जोश दिखाया और हिन्दुस्तान का दिल धड़काया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में खिलाड़ियों को भरपूर सुविधाओं के साथ सम्मान भी दिया जाएगा। खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी एक पृथक कार्यक्रम में पुरस्कृत और सम्मानित किए जाएंगे। पिछले खेलो इंडिया गेम्स में देश में 8वें क्रम पर रहने वाले मध्यप्रदेश ने अब तीसरे क्रम पर स्थान बनाया है। यह गर्व और गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ है। इसमें खेल क्षेत्र भी शामिल है। खेलों के लिए बजट राशि बढ़ाई गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इन खेलों के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश पर भरोसा किया। मध्यप्रदेश उमंग और उत्साह में डूबा रहा। खिलाड़ियों ने जोश दिखाया और हिन्दुस्तान का दिल धड़काया। मध्यप्रदेश में 13 दिन खेलमय वातावरण था। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज शाम भोपाल के बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मैडल प्राप्त करने वाले और भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेलो इंडिया में ओवर ऑल चेम्पियन महाराष्ट्र विशेष बधाई का पात्र है। हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा है। मध्यप्रदेश भी तीसरे क्रम पर आया है। मध्यप्रदेश, हरियाणा से थोड़ा ही पीछे रहा। मध्यप्रदेश ने 39 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। एक समय मध्यप्रदेश का खेलों में कोई विशेष नाम नहीं था। श्री देव कुमार मीणा ने राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। खेलो इंडिया में 40 प्रतिशत बेटियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मलखम्भ, एथलीट और वाटर स्पोर्ट्स में मध्यप्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 19 वर्ष से कम आयु के

खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रोत्साहनकारी रहे। अब इन खेलों में सफल हुए खिलाड़ियों को अपनी मंजिल की ओर बढ़ना है। इनकी मंजिल अब एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलिंपिक हैं। इन सभी में खिलाड़ियों को पदक जीतना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, स्पोर्टस एथारटी ऑफ इंडिया और खेल विभाग की संपूर्ण टीम बधाई की पात्र है। खिलाड़ियों ने जोश, जिद और जुनून का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खिलाड़ियों को निरंतर विजय प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दीकेंद्रीय खेल, युवा कार्य और सूचना प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अनेक रिकॉर्ड टूटे हैं। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान और उनकी पूरी टीम बधाई और धन्यवाद की पात्र है। श्री ठाकुर ने कहा कि बेटियों ने खेलों में कमाल कर दिखाया है।

युवाओं का पेशेवर प्रशिक्षण मैदान है जेबीएन

● पुष्पांजली टुडे बेंगलुरु

जेबीएन न केवल एक समुदाय के भीतर व्यापार के लिये एक मंच है जो बहुत अच्छे परिणाम दे रहा है बल्कि यह समुदाय और विशेष रूप से युवाओं के लिये पेशेवर प्रशिक्षण का मैदान भी है जो अपने व्यवसाय को विश्वस्तरीय दृष्टिकोण व प्रस्तुति देने में रुचि रखते हो। यह जीतो बैंगलुरु नार्थ के सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफ़ना ने जेबीएन टाइकूंस की बैठक में कही। साथ ही उन्होंने कहा कि जेबीएन के उद्धेश्य केवल व्यवसाय तक ही सीमित नही है बल्कि देने की भावना में होने के नाते प्रत्येक सदस्य एक दूसरे को योगदान देने में मदद करता है जिसके परिणामस्वरूप समाज की बेहतरी होती है। बैठक की शुरुआत में टाइकूंस अध्यक्ष पंकज जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जेबीएन समुदाय के भीतर कल के नेताओं को तैयार करेगा। उन्होंने जैन युवाओं से इस बढ़ते अवसर में भाग लेने के लिये जेबीएन से जुड़ने का अनुरोध किया। उपाध्यक्ष मदन जैन ने जानकारी दी कि बैठक के दौरान सदस्यों में 82 आपसी रेफरल पास हुए तथा 5811973 मूल्य की धन्यवाद स्लिप पास हुई और 40 सदस्यों में आपसी वन टू वन बैठक हुई। जीतो बैंगलुरु नार्थ के उपाध्यक्ष

जीतो बैंगलुरु नार्थ जेबीएन टाइकूंस की बैठक

सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार जेबीएन का आधार और कार्य जीतो के पवित्र सिद्धांतों को दर्शाता है। बैठक के दौरान चयनित सदस्यों ने अपने उत्पादों को प्रस्तुत किया। बैठक को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में टाइकूंस सचिव कुशाल सोलंकी का सहयोग रहा।जीतो बैंगलुरु नार्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा व महामंत्री सुधीर गादिया ने जेबीएन टाइकूंस के सदस्यों के जोश व काम के तरीको की प्रशंसा की।

ईश्वर के प्रति सदैव कृतज्ञ रहिए

● पुष्पांजली टुडे

जब भी हम किसी की मदद के लिए हाँथ आगे बढ़ाते है तो कभी ये सोचकर मत बढ़ाना की में ही कर रहा हूँ सदैव उस प्रभु को याद करते रहना जिसने आपको मदद करने का जरिया बनाया है बाकि सब करने वाला तो वही है अगर ये विचार बने रहे तो हम कभी भी धोखा नहीं खाएंगे और अपने मकसद में सदैव कामयाब रहेंगे। जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी जरूरतमंदो के लिए कार्य करती है जिसके मुख्य उद्देश्य कम्पलीट हेल्थ,, कम्पलीट एजुकेशन,, कम्पलीट फूड है इसके साथ साथ दिव्यांगों के उत्थान के लिए भी कार्य करती है सामाजिक कार्यों के साथ साथ धार्मिक कार्यों में भी अपना सहयोग समय समय पर देती रहती है ये कहने के लिए बहुत सरल है की हम कभी भी किसी को भी मदद करते रहते है लेकिन ऐसा नहीं है मेने इस बात को काफी बारीकी से अनुभव किया की ÷मदद÷ जब भी हम करने की सोचते है तो ऊपर वाला पहले से ही आपको रास्ते निकलकर देता है की यहाँ से आपको मदद मिलेगी और इसे आपको जरूरतमंदों को देना है तभी आप मदद कर पा रहे है वरना पुरे देश में करोडो लोग जिनके पास अथाह संपत्ति है लेकिन मदद के नाम पर जीरो है क्योंकि उनकी मंशा केवल लेने की है देने की नहीं इसलिए अपने आपको सौभाग्यशाली समझो जो की आप के हाँथ मदद करने के लिए आगे बढ़ रहे है इसलिए सदैव प्रभु के आभारी रहते हुए आगे बढ़कर मदद करते रहिये समाजसेवी अरुणेश सिंह भदोरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी

जिले के 103 ग्रामों का भ्रमण कर चुकी है विकास यात्रा

21 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन हुआ

● रितेश कटरे ब्यूरो चीफ बालाघाट

5 से 25 फरवरी तक निकाली जा रही विकास यात्रा के क्रम में बालाघाट जिले में 07 फरवरी तक विकास यात्रा जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी एवं कटंगी के 103 ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों के वार्डों का भ्रमण कर चुकी है। विकास यात्रा के दौरान 06 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत के 110 कार्यों का लोकार्पण किया गया है तथा 14 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत के 185 कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इस प्रकार विकास यात्रा में अब तक जिले में 21 करोड़ रुपये के 295 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जा चुका है। विकास यात्रा के दौरान अब तक 2816 आवेदन प्राप्त किये गये हैं और उनमें से 2578 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। विकास यात्रा आज 08 फरवरी को खैरलांजी तहसील के ग्राम खैरी, सावरी, चुटिया, लांजी तहसील के ग्राम कालीमाटी, सावरीखुर्द, वारी, भुरसाडोंगरी, परसवाड़ा तहसील के ग्राम झिरिया, ठेमा, खरपड़िया, बिरसा तहसील के ग्राम टिंगीपुर, बालाघाट तहसील के ग्राम आवलाझरी पहुंची और ग्रामीणों के साथ संवाद किया तथा शासकीय योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। विकास यात्रा के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लाड़ली योजना के

स्वीकृति पत्र, जाति प्रमाण पत्र, संबल कार्ड, ई-श्रमिक कार्ड, खाद्यान्न पर्ची, आयुष्मान कार्ड, भू-अधिकार पट्टा, ऋण पुस्तिका एवं अन्य योजनाओं के हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। आज दिनांक 08 फरवरी 2023 को बैहर विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक बिरसा की विकास यात्रा में ग्राम पंचायत बाहकल में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम द्वारा सुमन यादव को मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन और कलमु खैरवार को इन्दिरा गांधी वृध्दा पेंशन प्रति माह 600 रुपये का स्वीकृति आदेश वितरण किया गया। इसी प्रकार परसवाडा विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉ क परसवाडा की विकास यात्रा में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री समल सिंह धुर्वे द्वारा ग्राम पंचायत ठेमा में चैनबती बाई को इंदिरा गांधी राष्ट्री य विधवा पेंशन एवं खेलन बाई को कन्यार अभिभावक पेंशन प्रतिमाह 600 रुपये का स्वीरकृति आदेश वितरण किया गया है। इस आदेश को प्राप्त कर सुमन यादव, कलमू खैरवार, चैनवती बाई, खेलन बाई बहुत खुश है। विकास यात्रा उनके लिए खुशियों का पैगाम लेकर आयी है।

सीरवी विकास संस्थान का निर्माण कार्य शुरु हुआ

● पुष्पांजली टुडे रिर्पोटर खंगारराम मुलेवा, पाली

मारवाड़ समीप गुड़ा मोकमसिंह गांव में सीरवी विकास संस्थान की भूमि पर चार दिवारी का कार्य अध्यक्ष पोकरराम लचेटा, उपाध्यक्ष चेनाराम मुलेवा, सचिव पूनमचंद परिहार , पंचगण रामलाल मुलेवा भारमल लचेटा, ढगलाराम मुलेवा सीरवी विकास संस्थान के ट्रस्टी सदस्य स्वरुपराम मुलेवा, मांगीलाल मुलेवा, ओगड़राम देवड़ा, प्रकाश देवड़ा, रामलाल सोलंकी व अन्य सज्जनो की उपस्थिती में यह निर्णण कार्य ठेकेदार देविसिंह कर रहे है । सचिव पूनमचंद परिहार ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए बताया की सीरवी विकास संस्थान की भुमि पर आज से चार दिवारी के लिए निव की खुदाई का कार्य शुरू हो गया है । सबसे पहले निर्माण कार्य के लिऐ पानी की सख्त जरूरत है इसलिए आज ट्यूबवेल भी लग गई है । अब यह कार्य शीघ्र होगा । ओर सीरवी विकास संस्थान गुड़ा मोकमसिंह के सभी प्रवासी भाईयो ने कार्यकारिणी कमेटी के सदस्यो को यह निर्माण कार्य शीघ्र शुरु करने के लिए पुरी कमेटी को बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

जल्द आएंगे पंडोखर सरकार ब्रह्मा जी की तपोस्थली संकुआ धाम पर

● पुष्पांजली टुडे सेंवढ़ा

नगर की सौभाग्य की बात है कि त्रिकाल दर्शी श्री पंडोखर सरकार नगर के युवा समासेवी श्यामू ठाकुर के निवास पर जल्द आएंगे साथ ही पंडोखर महाराज ने श्री ठाकुर को आशीर्वाद भी दिया वंही श्यामू ठाकुर ने पंडोखर धाम पहुंचकर पूजनीय महाराज पंडोखर सरकार को शॉल श्रीफल देकर जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया इस अवसर पर पंडोखर धाम के महाराज गुर शरण जी ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप सदा साधु-संतों गरीबों वृद्धजनों की मदद करते हैं एवं सदैव मेरा ब संतो का सम्मान करते हैं आप सदा सुखी एवं निरोग रहे मैं ऐसी कामना करता हूं आपको बता दें कि पंडोखर धाम महाराज बहुत ही प्रसिद्ध त्रिकालदर्शी गुरु हैं जहां दिव्य दरबार लगता है और वह व्यक्ति के मन की बात बिना पूछे ही बता देते और उनकी शरण में मध्य प्रदेश में देश बल्कि अन्य देशों से भी भक्तों पहुंचते हैं और उनकी मनोकामना पूर्ण होती है।

नर्सिंग स्टॉफ की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

● पुष्पांजली टुडे ग्वालियर

ग्वालियर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने आज को नेशनल हेल्थ मिशन के तहत संविदा आधारित नर्सिंग स्टॉफ की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने वाले अंतर्राज्जीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पेपर लीक मामले में गिरोह के आठ सदस्यों को हिरासत में ले लिया है , इनमें से दो प्रयागराज उत्तर प्रदेश के दो हरियाणा के एक बिहार से और तीन आरोपी ग्वालियर के हैं। इस मामले में प्रयागराज का एक आरोपी भाग गया है पुलिस उसकी तलाश कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने आज सायं पत्रकारों को बताया कि संपूर्ण मध्यप्रदेश में प्रात- 10 से 12 और दोपहर 3 से 5 दो पालियों में नेशनल हेल्थ मिशन के तहत नर्सिंग स्टॉफ की भर्ती परीक्षा होनी थी। वहीं पुलिस को इनपुट मिला कि उक्त परीक्षा का पेपर लीक कर सॉल्व कराने वाला अन्तर्राज्यीय गिरोह ग्वालियर में सक्रिय है। उक्त सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व एवं अपराध राजेश दण्डोतिया को क्राइम ब्रांच ग्वालियर की टीम से सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने इनपुट के आधार पर थाना डबरा क्षेत्र के टेकनपुर स्थित एक होटल में दविश दी तो वहां पेपर लीक कराने वाले गिरोह के सदस्य उक्त परीक्षा का पेपर लिए हुए मिले। क्राईम ब्रांच टीम द्वारा नेशनल हेल्थ मिशन के तहत संविदा आधारित नर्सिंग स्टॉफ की परीक्षा के पेपर लीक कराने वाले गिरोह के 8 सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। वहीं उनका एक साथी जो कि प्रयागराज उत्तर प्रदेश का है और मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है पुलिस दविश से पहले ही मौके से भाग गया। पकडे गये गिरोह के सदस्यों में दो व्यक्ति हरियाणा, दो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के , एक बिहार तथा तीन ग्वालियर के हैं। पुलिस ने परीक्षा में भाग लेने वाले 26 परीक्षार्थियों जिनमें 15 लडकियां और 11 लडको को भी पकडा है। पकडे गये गिरोह के सदस्यों से प्रारंभिक पूछताछ में

पता चला है कि उनके तार प्रदेश के बडे शहरों भोपाल, इन्दौर, जबलपुर, सागर, रतलाम, रीवा आदि से भी जुडे हुए हैं। पकडे गये गिरोह के सदस्यों से और अधिक पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि उक्त गिरोह का मुख्य सरगना इलाहाबाद उत्तर प्रदेश का रहने वाला है तथा उसी के द्वारा उक्त परीक्षा आयोजित कराने वाली कंपनी स्ट्रेटेजिक अलायंस मैनेजमेंट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के जरिए पेपर आउट कराया गया है। ग्वालियर में मुख्य सरगना द्वारा अपने गिरोह के सदस्यों को परीक्षा में सम्मलित हो रहे परीक्षार्थियों के परिजनों से संपर्क स्थापित कर पेपर सॉल्ब कराने हेतु लगाया गया था, जिसके एवज में उक्त गिरोह द्वारा परीक्षार्थियों के परिजनों से ढाई से तीन लाख रूपये प्रति परीक्षार्थी का सौदा किया गया था। क्राईम ब्रांच टीम को मौके से एक लेपटॉप, दो प्रिंटर मशीन, पेपर, सॉल्ब पेपर, परीक्षार्थियों की मार्कशीट तथा अन्य सामग्री मिली जिसे क्राइम ब्रांच पुलिस ने विधिवत जप्त किया है। क्राइम ब्रांच ग्वालियर की टीम द्वारा अन्य जिलों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर गिरोह के मुख्य सरगना सहित अन्य सदस्यों की तलाश हेतु दबिश दी जा रही हैं। ग्वालियर पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही के उपरान्त नेशनल हेल्थ मिशन मध्यप्रदेश ने आज आयोजित संविदा आधारित नर्सिंग स्टॉफ भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया गया है। इस गिरोह का पर्दाफाश करने मे इस गिरोह का पर्दाफाश करने में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा, सियाज के एम , थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच निरीक्षक अमर सिंह सिकरवार, उप निरीक्षक सतीश यादव, राहुल अहिरवार, एएसआई राजीव सोलंकी, दिनेश सिंह तोमर, जितेन्द्र शर्मा, महिला पुलिस आरक्षक अर्चना कंसाना, प्रधान आरक्षक रामबाबू सिंह, मनोज ,अनिल गुप्ता, मनीष चौहान, सत्येन्द्र कुशवाह, जितेन्द्र तोमर, आरक्षक गौरव आर्य, अरूण पवैया, देवव्रत तोमर, देवेश, सौरभ चौहान, सोनू परिहार, विकास सिंह, राहुल यादव, योगेन्द्र सिंह, पवन झा, भानुप्रताप कुशवाह, प्रदीप यादव, श्याम शर्मा, महिला आरक्षक सक्षम दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

ग्वालियर यातायात पुलिस द्वारा बनाई गई "शॉर्ट फिल्म" को किया जारी

ग्वालियर। यातायात पुलिस द्वारा एडीजीपी डी. श्रीनिवास वर्मा के निर्देश पर शहर के यातायात के सुचारू संचालन एवं वाहन चालक की गलती के वजह से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देष्य से निरंतर यातायात जागरूकता अभियान चलाये जा रहे है। बाइक रैली, यातायात जागरूकता सेमीनार एवं प्रषिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे है। विगत दिनों ग्वालियर यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता अभियान के तहत बाइक रैली निकालकर आमजन को यातायात नियमों का पालन करने के लिये जागरूक किया गया। यातायात पुलिस द्वारा एसएसपी अमित सांघी, एएसपी-मध्य/यातायात श्रीमती मृगाखी डेका ने हेलमेट जागरूकता एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देष्य से एक 'शॉर्ट फिल्म'' का निर्माण बनवाई गयी। इस ''शॉर्ट फिल्म'' को मंगलवार की शाम पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार मे आमजन के लिये जारी किया गया। इस मौके पर यातायात पुलिस के डीएसपी

यातायात पष्चिम नरेशबाबू अन्नोटिया, डीएसपी यातायात पूर्व विक्रम सिंह कनपुरिया, डीएसपी यातायात मध्य बीएन प्रजापति, सूबेदार हिमांशू तिवारी, प्रबल यादव, श्रीमती सोनम पाराशर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे यातायात पुलिस द्वारा बनाई गई इस ''शॉर्ट फिल्म'' को स्थानीय कलाकारों की मदद से बनाया गया है जिसका मुख्य उद्देष्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है साथ ही उनसे अपील करना है कि सड़क पर वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का इस्तेमाल आवष्यक रूप से करें। इस प्रकार आप अपने साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य राहगीरों की जान जोखिम में डालने से बच सकते है। शार्ट फिल्म को प्रसारण जिलें के सभी मुख्य मार्गो, स्कूलो, कॉलेजो व सोषल मीडिया पर किया जायेगा।

वैरागी

गौरीशंकर कुशवाह, पन्ना

एक साधु को एक नाविक रोज इस पार से उस पार ले जाता था, बदले मैं कुछ नहीं लेता था, वैसे भी साधु के पास पैसा कहां होता था,नाविक सरल था, पढालिखा तो नहीं, पर समझ की कमी नहीं थी। साधु रास्ते में ज्ञान की बात कहते, कभी भगवान की सर्वव्यापकता बताते ,और कभी अर्थसहित श्रीमदभगवद्गीता के श्लोक सुनाते, नाविक मछुआरा बडे ध्यान से सुनता, और बाबा की बात ह्रदय में बैठा लेता,एक दिन उस पार उतरने पर साधु नाविक को कुटिया में ले गये, और बोले, वत्स, मैं पहले व्यापारी था, धन तो कमाया था, पर अपने परिवार को आपदा से नहीं बचा पाया था, अब ये धन मेरे किसी का काम का नहीं, तुम ले लो, तुम्हारा जीवन संवर जायेगा, तेरे परिवार का भी भला हो जाएगा।नहीं बाबाजी, मैं ये धन नही ले सकता, मुफ्त का धन घर में जाते ही आचरण बिगाड़ देगा , कोई मेहनत नहीं करेगा, आलसी जीवन लोभ लालच ,और पाप बढायेगा । आप ही ने बताया ईश्वर सब जगह रहता है , मुझे तो आजकल लहरों में भी कई बार नजर आया, जब मै उसकी नजर में ही हूँ, तो फिर अविश्वास क्यों करूं, मैं अपना काम करूं, और शेष उसी पर छोड दूं।

प्रसंग तो समाप्त हो गया, पर एक सवाल छोड़ गया, इन दोनों पात्रों में साधु कौन था? एक वो था, जिसने दुःख आया, भगवा पहना, संन्यास लिया, धर्म ग्रंथों का अध्ययन किया, याद किया, और समझाने लायक स्थिति में भी आ गया,फिर भी धन की ममता नहीं छोड पाया, सुपात्र की तलाश करता रहा ।और दूसरी तरफ वो निर्धन नाविक , सुबह खा लिया, तो शाम का पता नहीं, फिर भी पराये धन के प्रति कोई ललक नहीं, संसार में लिप्त रहकर भी निर्लिप्त रहना आ गया, भगवा नहीं पहना, सन्यास नहीं लिया, पर उस का ईश्वरीय सत्ता में विश्वास जम गया । श्रीमदभगवद्गीता के श्लोक को ना केवल समझा बल्कि उन्हें व्यवहारिक जीवन में कैसे उतारना है ये सीख गया, और पल भर में धन के मोह को ठुकरा गया।

नगरवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

सौरभ कुमार
सचिव
रोटरी क्लब एटा
9219507503

नगरवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

ललित प्रताप सिंह
पेशकार
एसडीएम कोर्ट कलेक्ट्रेट एटा
मोबाइल 8191 034 642

नगरवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

राजकुमार सिंह
वरिष्ठ सहायक जिला अध्यक्ष
मि. कलेक्ट्रेट कर्म.संघ
जनपद एटा
मो 9457 94 2290

नगरवासियों को महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं

साजन देव वार्ष्णेय
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा
भारतीय हलधर किसान
यूनियन
9837316446

रामेश्वर दास भान
करनाल हरियाणा

सबको सबका अधिकार मिला

लागु हुआ जब संविधान हमारा,
हुआ गणतंत्र भारत देश हमारा,

लिखा जब बाबा आंबेडकर ने संविधान,
जिससे देश को प्रगति का आगाज़ मिला,

जीने का एक नया उत्साह हुआ,
सबको वोट का अधिकार मिला,

एक सूत्र में बंधा देश हमारा,
चैन से जीने का रास्ता मिला,

बंटी हुकुमतों से छुटकारा हुआ,
मार-काट लुट-पाट से निजात मिला,

इन्सानों के अधिकार सुरक्षित हुए,
महिलाओं को देश में सम्मान मिला,

गरीब मजलूमों का जीवन सुधरा,
पढ़ने- लिखने में उनको स्थान मिला,

गणतंत्र हुआ जब देश हमारा,
सबको सबका अधिकार मिला,

देश गणतंत्र होने के बाद ही,
भारत को नया स्थान मिला,

उठो धरा के वीर सपूतों

उठो धरा के वीर सपूतों,
हम इतिहास बनाएंगे।
देश बचा लो लूट रहे जो,
यह पैगाम सुनाएंगे।
राज संभालो वीर सपूतों,
अब चन्द्रगुप्त न आयेंगे।
बुद्ध धम्म का ज्ञान बताने,
अब अशोक न आयेंगे।
खुरपी छोड़े कलम उठाओ,
अब ज्योतिबा राव न आयेंगे।
लड़ो लड़ाई अधिकार हितों की
बिरसा, उधम सिंह न आयेंगे।
सत्य ज्ञान का बोध करने,
रविदास, कबीर न आयेंगे।
रूढ़िवाद,पाखण्ड मिटाने,
पेरियार,ललई न आएंगे।
संविधान अनमोल धरोहर,
घर-घर तक पहुचाएंगे।
परिवर्तन यह भीमराव का,
जन- जन तक पहुचाएंगे

कवि- (नवल किशोर कुशवाहा)

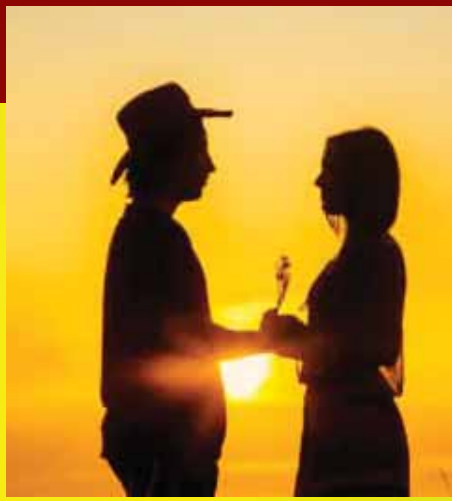

शीर्षक..... इश्क का इज़हार

इश्क का इज़हार
करना जरूरी नहीं
होता
हर किसी से आंखें
चार करना जरुरी
नहीं होता
बात बात पर
तकरार करना
जरुरी नहीं होता
हर किसी के वादे
को स्वीकार करना
जरुरी नहीं होता
जब दिल ना मिले तो
इकरार करना
जरूरी नहीं होता।

अर्चना शर्मा
कोटा (राजस्थान)

आमजन का हो ख्याल

मंहगाई की भरपूर मार
चारो ओर मचा हाहाकार

दाल रोटी, चावल सब्जी
सब के सब पचासा पार
तेल घी तिलौरि पापड़
लोगो को लगा रहा थापर।।

भूल चुके है सैर सपाटे
सारी कमाई खा जाता पेट
बिजली पानी डबल रेट
मकान किराया से न भरता पेट।।

बजट लाना सोच समझ
आमजन का हो बचत
खान-पान का रखना ख्याल
मीडिल वर्ग हैं वेहाल।।

आशुतोष
लेखक, पटना बिहार

शीर्षक - एक किरण उम्मीद की

विधा - कविता

उन्मादों की थी बेदर्दी पीडा
जैसे हो मनु की इडा
सन्नाटा था जीवन में कहीं
आ गया सफर फिर वहीं
पहाडों की ऊँची चोटियों में
फंस गया चित्त लताओं सा
बिलखती सी आवाज सुनी
करता जिसे हर कोई अनसुनी
लगी वो मुझे कुछ अपनी सी
चंचलता के घेरे में फिर
दिखाई देने लगी अचानक
एक किरण उम्मीद की मुझे
वो आवाज घुटन थी एक
साँसों में उलझे कुछ स्वर
फूट पडे मुख विवर से अब
गमों के सागर से निकलकर
दिखने लगी अब फिर मुझे
एक किरण उम्मीद की ।।

नीतू कुमारी पुत्री - मनीराम
मु.पो.कसेरू ,झुन्झुनू (राज.)

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने किया मुख्य समारोह में ध्वजारोहण

● पुष्पांजली टुडे पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड मप्र

सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2023 के जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड भिण्ड पर आज ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने जिला कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान के साथ परेड की टुकडियों का निरीक्षण किया। इसके बाद जिला स्तरीय मुख्य समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश का वाचन किया। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने गणतंत्र दिवस-26 जनवरी 2023 के मुख्य समारोह में शांति के प्रतीक रंग बिरंगे गुब्बारे हवा में छोड़े। मुख्य समारोह में परेड की टुकडियों ने हर्ष फायर किया। इसके बाद मुख्य अतिथि सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया को परेड की टुकडियों में 17वीं वाहिनी एसएएफ, जिला पुलिस बल पुरूष, जिला पुलिस बल महिला, होमगार्ड एवं सेन्टमाईकल स्कूल-बैण्ड दल की टुकडियों ने सलामी दी।

परेड का नेतृत्व में परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्रीमती रजनी सिंह गुर्जर एवं द्वितीय कमान टूआईसी सूबेदार आदित्य मिश्रा ने संभाली। समारोह के मुख्य अतिथि एवं मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया का कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने परेड की टुकडियों के कमाण्डरों से परिचय कराया। मंत्री डॉ भदौरिया ने लोकतंत्र सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही जिले के लोकतंत्र सेनानियों का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनके निवास पहुंचकर सम्मानित किया गया। मुख्य समारोह में जिला पंचायत, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, आदिम जाति कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, किसान कल्याण, उद्यानिकी विभाग, नगर पालिका भिण्ड, महिला एवं बाल विकास, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, पशुपालन एवं डेयरी, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं यातायात पुलिस द्वारा मनोहारी एवं आकर्षक झांकियां निकाली गईं।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह अन्तर्गत परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रथम जिला पुलिस बल पुरूष, द्वितीय जिला पुलिस बल महिला एवं तृतीय 17वीं वाहिनी एसएएफ को पुरूष्कार के रूप में शील्ड प्रदान की। सहकारिता विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने झांकियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर यातायात पुलिस भिण्ड को प्रथम, कृषि विभाग को द्वितीय एवं शिक्षा एवं सर्व शिक्षा को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरूष्कार प्रदान किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्र.1 को प्रथम, श्री स्वामी विवेकानंद सुरपुरा को द्वितीय एवं विद्यावती विद्यालय को तृतीय पुरूष्कार प्रदान किये गये। इसीप्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी, पुलिस एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरूष्कृत किया गया।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया,क्षेत्रीय विधायक संजीव सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरोज बघेल,पूर्व विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, जिला पंचायत सीईओ जेके जैन, अपर कलेक्टर जेपी सैयाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे, सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी, पत्रकार बन्धु, नगरीय निकाय एवं पंचायतों के पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राऐं और भारी संख्या में शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

चम्बल की धरती ऋषि मुनियों की धरती हैः नरेन्द्रसिंह तोमर

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, मुरैना

चम्बल की धरती ऋषि मुनियों की धरती है । यह हमारा सौभाग्य है कि इसी पावन भूमि पर आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज अवतरित हुए । पूज्य श्री ने ज्ञानतीर्थ के रूप में एक अनमोल कृति देकर हम सभी को उपकृत किया है । जब ज्ञानसागर जी महाराज ने इस कृति की कल्पना की थी, तब सभी सोचते थे कि ये कैसे साकार रूप लेगी । भले ही आज आचार्य श्री हमारे बीच नहीं हैं, किंतु उनके आशीर्वाद एवं प्रेरणा से निर्मित ज्ञानतीर्थ सदैव उन्हें हमारे हृदय में जीवंत रखेगा । उक्त विचार भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री माननीय नरेन्द्रसिंह तोमर ने ज्ञानतीर्थ पर चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में धर्म सभा को संवोधित करते हुए व्यक्त किये ।

ज्ञानतीर्थ मुरेना में चल रहे श्री आदिनाथ जिनविम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आज तप कल्याणक दिवस पर भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री माननीय नरेन्द्रसिंह तोमर (सासंद मुरेना) पहुचे । आपने सर्वप्रथम भगवान आदिनाथ के श्री चरणों में श्रीफल भेंट कर प्रभु बन्दना की । माननीय मंत्री महोदय ने ज्ञानतीर्थ पर विराजमान आचार्य श्री विनीत सागर जी महाराज, सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण, गणिनी आर्यिका सृष्टीभूषण, गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण, गणिनी आर्यिका आर्षमति माताजी के श्री चरणों में श्रीफ़ल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया । आदिकुमार के माता-पिता स्वरूप बनें योगेश संगीता जैन (खतौली वाले) दिल्ली

ज्ञानतीर्थ पंचकल्याणक में मंत्री जी ने लिया आशीर्वाद

से भेंट की । नगर पालिका अम्बाह के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि माननीय नरेन्द्रसिंह जी तोमर एक ऐसे मंत्री हैं जो सदैव क्षेत्र के विकास के लिए ततपर रहते हैं । श्री जैन ने ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर की रूपरेखा एवं श्री पंचकल्याणक महोत्सव की क्रियाओं से अवगत कराया । माननीय मंत्री जी के ज्ञानतीर्थ आगमन पर क्षेत्र कमेटी, श्री पंचकल्याणक महोत्सव समिति एवं जैन समाज की ओर से माननीय मंत्री जी का शाल, श्रीफ़ल, माला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया । जिनेश जैन अम्बाह ने मंत्री श्री तोमर को ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर जा अवलोकन कराते हुए भावी योजनाओं की जानकारी दी । मंत्री जी के साथ रघुराज सिंह कंषाना, शिवमंगल सिंह तोमर, योगेशपाल गुप्ता, मनोज जैन सहित अनेकों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे । अंत में आपने जैन समाज के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की ।

लाल सिंह मौर्य प्रांतीय संगठन मंत्री (प्रथम) चुने गए

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, सोनू कुमार माथुर एटा

लखनऊ में हुए द्विवार्षिक चुनाव में लाल सिंह मौर्य को उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ उत्तर प्रदेश के हुए द्विवार्षिक चुनाव में उत्तर प्रदेश का प्रांतीय संगठन मंत्री प्रथम के पद पर चुनाव में विजय घोषित किया गया यह चुनाव राज स्टेट गेस्ट हाउस लखनऊ में विधिवत निर्वाचित घोषित किया गया जिसमें निर्वाचन अधिकारी प्रथम श्री विजय कुमार भारतीय द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया गया जिस के उपलक्ष में एटा जिले के राजस्व संग्रह अमीन संघ के जिला अध्यक्ष कमलेश सिंह राठौर द्वारा तहसील सदर एटा मैं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सभा का संचालन श्री रोहतास पांडे संग्रह अमीन द्वारा किया गया एवं अध्यक्षता श्री सुरेश चंद्र सोलंकी द्वारा की गई वक्ताओं के रूप में श्री गिरीश चंद्र संग्रह अमीन तहसील अध्यक्ष तहसील महामंत्री श्री मोहन सिंह बा उपस्थित श्री राजकुमार जी कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ जनपद एटा द्वारा भी सभा को संबोधित किया गया कमलेश सिंह राठौर द्वारा भी सभा को संबोधित किया गया

नवनिर्वाचित लाल सिंह मौर्या द्वारा कहां गया कि हमारी मांगे खंडित सेवा को जुड़वाना एवं संग्रह अमीनो को 2800 ग्रेड पे का आदेश कराना एवं संग्रह अमीन ओ को साइकिल भत्ता की जगह मोटरसाइकिल भत्ता दिलाना अंत में सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया उपस्थित साथी वीरेश राघव विनोद यादव पवन कुमार पंकज यादव जयप्रकाश अमीन दिनेश सिंह भुजबीर सिंह अनंत शर्मा, अनार सिंह रीना सक्सेना आदि लोग उपस्थित रहे।

एटा महोत्सव में ऐतिहासिक रही अतुल शिवांगी पंडित नाइट

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, सोनू कुमार माथुर एटा

जनपद में चल रही राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक विकास प्रदर्शनी के तहत एटा महोत्सव में एसएसआर ग्रुप एवं लायंस क्लब द्वारा बुधवार की देर रात आयोजित हुई बॉलीवुड मैशअप नाइट में अतुल शिवांगी पंडित ने जमकर धमाल मचाया। कार्यक्रम के दौरान बीच बीच में लकी ड्रा के माध्यम से कार्यक्रम देख रहे लोगों को पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पर्णिका श्रीवास्तव के बेहतरीन कत्थक नृत्य से हुई। उसके बाद फ्री सोल्स ओरिजनल के कलाकारों ने ऐसा समां बांधा । जैसे ही अतुल शिवांगी पंडित ने एटा महोत्सव के मंच पर कदम रखा पूरा पंडाल तालियों से गुंजायमान हो गया। अतुल शिवांगी पंडित ने अपने बेहतरीन मैशअप से दर्शकों को डांस करने पर मजबूर कर दिया। अतुल शिवांगी पंडित के नाइनटीज के गानों ने बेहतरीन समां बांधा। जिसके चलते देर रात तक दर्शक अपनी अपनी सीट पर चिपके रहे। अतुल पंडित द्वारा गाए गए बॉर्डर फिल्म के देश भक्ति गीत संदेशे आते हैं.. के साथ ही अन्य मैशअप सोंग्स का दर्शकों ने जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत , प्रेमलता डेविड, क्षेत्राधिकार नगर राजकुमार सिंह एवं लायंस क्लब जॉन चेयर पर्सन अनुज प्रताप सिंह चौहान , एस एस ग्रुप से विष्णु शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की। वहीं शिवांगी पंडित द्वारा गाए गए लैला मैं लैला.. व अन्य दिल को छू लेने वाले गानों पर पंडाल मौजूद जनता झूमती नजर आई। कार्यक्रम के प्रारंभ से लेकर समापन तक बीच बीच में लकी ड्रा भी

एसएसआर ग्रुप एवं लायंस क्लब के द्वारा किया गया शानदार आयोजन

निकाला गया। इस लकी ड्रा में भगीपुर निवासी विशाल राजपूत पुत्र सुरेश चंद्र वर्मा को एलजी की एंड्रॉयड स्मार्ट एलईडी टीवी का पुरस्कार मिला, वहीं पत्रकार वारिश को हेड फोन, पत्रकार आशू को गिफ्ट हैं पर मिला , और दर्जनों लोगों को म्यूजिक सिस्टम , स्मार्ट वॉच , इलेक्ट्रिक केटल आदि उपहार मिले । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक क्राइम विनोद कुमार पांडे, एटा अर्बन कॉपरेटिव बैंक के चेयरमैन गजेन्द्र सिंह चौहान व अन्य गणमान्य लोगों का संयोजक अनुज प्रताप सिंह चौहान , विष्णु शर्मा द्वारा सम्मान किया गया। वहीं कार्यक्रम के बाद अतुल शिवांगी पंडित को भी एस एस आर ग्रुप की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आशीष सारस्वत, रवि वर्मा, बॉबी गुप्ता (साड़ी संसार), आदर्श मिश्रा ÷डैनी÷, विकास अग्रवाल (स्वामी दादा), डा. अमन चौहान, श्रीमती गुंजन मिश्रा, सहित लायंस क्लब, एस एस ग्रुप के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोटरी क्लब एटा ने स्वास्थ्य एवं जांच कैंप लगवा कर बाटी दवाई

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, सोनू कुमार माथुर एटा

शहर के गांधी मार्केट में नीरज हार्डवेयर के प्रतिष्ठान पर रोटरी क्लब एटा के तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर में 193 मरीजों ने जांच कराने के बाद दवाई ली गरीबों को सर्दी से बचाव के लिए निशुल्क कपड़ों का वितरण किया गया एसीएमओ डॉ राम मनोहर तिवारी ने कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारंभ किया फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर आयुष पालीवाल ने कमर दर्द घुटनों का दर्द सहित नसों से संबंधित मरीजों को परामर्श दिए और डॉ आकाश वर्मा द्वारा मरीजों की जांच कर दवाई लिखी गई यहां मरीजों की शुगर कोरोना ब्लड प्रेशर मलेरिया की जांच की गई और निशुल्क दवाएं वितरित की गई एसीएमओ ने कहा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करना एक अच्छी पहल है ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए रोटरी क्लब एटा का आभार जताया रोटरी क्लब अध्यक्ष नीरज गुप्ता ने माल्यार्पण कर एसीएमओ

का स्वागत किया और चिकित्सकों को शॉल उड़ाकर सम्मानित किया शिविर सुबह 11ः00 से दोपहर 2ः00 बजे तक चला और मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया कार्यक्रम में अनुज गुप्ता साजन देव गौरव गुप्ता प्रसून वरुण अनंत गुप्ता सहित रोटरी क्लब के कई लोग मौजूद रहे।

पत्रकारहित की माँग को लेकर जोश जुनून के साथ सड़कों पर उमड़ा पत्रकारों का सैलाब

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, सोनू कुमार माथुर एटा

अलीगढ़ में एक दैनिक समाचार पत्र संपादक के घर पड़ी डकैती का खुलासा कराने और एटा के थाना व कस्बा के सरकारी अस्पताल में कवरेज करते पत्रकार से मारपीट करने व मुकदमा दर्ज करने के विरोध और राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक विकास प्रदर्शनी नुमाइश में पत्रकार सुविधाओं की अनदेखी को लेकर आज शुक्रवार की सुबह एटा कासगंज सहित तमाम ग्रामीण अंचलों से पहुंचे पत्रकारों का सैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा, हनुमान जी चरणों में शीश झुका जोश जुनून के साथ निकले पत्रकार जुलूस के रूप में वाहनों पर सवार होकर जीटी रोड कचहरी रोड होते हुए कचहरी पहुंचे जहाँ कचहरी चौराहा पर राष्ट्रीय हिंदू महासभा की संत सभा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव लोधेश्वर ने क्रांतिकारी पत्रकारों का फूल मालाओं से स्वागत सम्मान किया और पत्रकार हित के आंदोलन की जमकर सराहना की इसके बाद पत्रकारों का हुजूम जिला कलेक्ट्रेट जा पहुंचा जहां उन्होंने एक मांग पत्र माननीय मुख्यमंत्री के नाम उप जिलाधिकारी शिव कुमार सिंह को सौंपा, मांग पत्र में पत्रकारों ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि अलीगढ़ दैनिक राजपथ संपादक सजंय गुप्ता जी के यहां पड़ी डकैती का अलीगढ़ पुलिस द्वारा खुलासा नहीं किया जा रहा है ऐसे में घटना की जांच एसटीएफ को सौंपी जाए, थाना जैथरा में कवरेज करते पत्रकार प्रदीप यादव पर दर्ज मुकदमा अभिलंब निरस्त किया जाए, एटा नुमाइश मैदान में पत्रकारों के लिए प्रेस प्रवेश पास एवं पत्रकारों के परिजनों को मनोरंजन कार्यक्रम का लाभ प्रदान करने हेतु निशुल्क पास जारी किए जाएं प्रदर्शनी पंडाल में पत्रकारों को बैठने की समुचित व्यवस्था एवं प्रेस कैंप बनाया जाये। ज्ञापन सौपते पत्रकारों ने एटा जिला प्रशासन से माँग की हैं कि स्थानीय स्तर की समस्याओं का 24 घण्टे के अंदर समाधान व व्यवस्थाओं में सुधार किया जाये। अन्यथा की स्थिति में समस्त पत्रकार विकराल आंदोलन को मजबूर होंगे। जुलूस एवं ज्ञापन आंदोलन के संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार नेत्रपाल सिहं चौहान थे एवं नेतृत्व मनसुख टाइम्स के सम्पादक बबलू चक्रवर्ती ने किया, आंदोलन की व्यवस्था टीवी 30 एवं 1 टीवी के ब्यूरोचीप पंकज

गुप्ता एवं मनसुख टाइम्स एटा ब्यूरोचीफ ज्ञानेश कुमार ने सम्हाली। इस मौके पर द पायनियर के ब्युरोचीफ वरिष्ठ पत्रकार राजू उपाध्याय, एस के माथुर पुष्पांजली टुडे,शिवकुमार पाठक जीएस न्यूज़, अमोल श्रीवास्तव दैनिक रेड हैंडेड समाचार पत्र, अमित कुमार गुप्ता मानवाधिकार मीडिया, अशोक राठौर ए भारत न्यूज़ ,मुकेश कुमार सप्ताहिक कलप्रिंट तहलका, वैभव पचौरी दैनिक भास्कर, दीपक वर्मा राष्ट्रीय जजमेंट न्यूज़, आशु शर्मा एबी स्टार न्यूज, अयूब मानवाधिकार मीडिया, पवन चतुर्वेदी अमीर खुसरो टाइम्स समाचार पत्र, अमित कुमार इ 7 स्टार न्यूज़, अजय शर्मा (बाबा), जितेंद्र कुमार भारत लाइव 24 ,पवन पाठक दैनिक लक्ष्य द टारगेट समाचार पत्र, दिनेश चंद शर्मा राष्ट्रीय कोहिनूर समाचार पत्र ,आशीष राज मनसुख टाइम्स, प्रदीप यादव अग्रभारत जैथरा, प्रबल राठौर बीटी टीवी, राहुल तिवारी केबीजे न्यूज़, चंचल लोधी तेजस टुडे समाचार पत्र, मोहित कुमार नेशनल खबर 9, मोहम्मद ताहिर नेशनल खबर 9, अमित कुमार माथुर कलप्रीट तहलका समाचार पत्र उप संपादक ,हरकेश, मनोज कुमार मनसुख टाइम्स छायाकार, सरोज इंडिया न्यूज़ दर्पण, रवि यादव दैनिक घटनाएं समाचार पत्र, मनीष कुमार मनसुख टाइम्स कासगंज संवाददाता ,मनोज कुमार टीवी 100 पुष्पेंद्र यादव राष्ट्रीय खबर एटा, मिथुन गुप्ता मनसुख टाइम नगर संवाददाता, आर के वर्मा टाइम टीवी न्यूज़ कासगंज, राहुल वर्मा आज तक 24 न्यूज़ कासगंज, शिव स्वरूप वर्मा अमर भारती जैथरा ,रवीश कुमार गोला रीडर मैसेंजर ,विजेंद्र मिश्रा, पवन कुमार वार्ष्णेय दैनिक घटनाएं जलेसर संवादाता, विनोद कुमार दीक्षित सुदर्शन न्यूज़ दिल्ली, विनय यादव के एन एल एस लाइव न्यूज़ ,राजेश चौहान मंडल ब्यूरो अलीगढ़, अशोक कुमार शर्मा टीवी 27 चैनल सहित एटा कासगंज जिला मुख्यालय एवं ग्रामीण अंचलों से पत्रकार एटा पहुचे।

मिलेनियम पब्लिक स्कूल को नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ

● पुष्पांजली टुडे से सत्येंद्र कुमार प्रजापति

पन्ना जिले के देवेंद्र नगर अंतर्गत संचालित मिलेनियम पब्लिक स्कूल ने नगर परिषद देवेन्द्रनगर द्वारा सामूहिक सांस्कृतिक एवं शारीरिक कार्यक्रमों को गणतंत्र दिवस में संपन्न कराया गया जिसमें मिलेनियम पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा नगर में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए बेहतरीन नृत्य प्रस्तुति की एवं पुष्पांजलि टुडे चैनल का भरपूर प्रचार प्रसार किया छात्र- छात्राओं के द्वारा किया गया है जिसमें मिलेनियम पब्लिक स्कूल के संचालक गौरीशंकर कुशवाहा शिक्षक सोनेलाल कुशवाहा, सत्येंद्र कुमार प्रजापति, श्रीमती रिचा सोनी ,श्रीमती रेनू विश्वकर्मा, श्रीमती संतकुमारी पाल, कुमारी आसमा सिंह बागरी ,कुमारी जिया जैन, एवं समस्त स्टाफ का भरपूर सहयोग किया गया और उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर छात्र छात्राओं विद्यालय एवं शिक्षक- शिक्षिकाओं का नाम उज्जवल किया है। मिलेनियम पब्लिक स्कूल के को नगर परिषद अध्यक्ष श्री मती शिवांगी ललित गुप्ता उपाध्यक्ष श्रीजयकुमार कुशवाहा,

तहसीलदार श्रीमती ममता मिश्रा ,नगर परिषद अधिकारी श्री दिनेश जड़िया ,शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती उषा चतुर्वेदी के कर कमलों द्वारा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

गहोई वैश्य समाज ने श्रेया गुप्ता को किया सम्मानित

● अर्पित गुप्ता उपसम्पादक, पुष्पांजली टुडे

चेन्नई में कार्यरत श्रेया कर रही परिवार का नाम रोशन

कहते है बेटियां जब कुछ करने की ठान लें तो नामुमकिन कुछ भी नही क्यों कि एक बेटियां ही है जो परिवार को भली भांति समझती हैं।दरअसल हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले के दबोह नगर की बेटी श्रेया की।जो कि इस समय भारत सरकार के डाक पोस्ट विभाग(शासकीय)में पोस्टल असिस्टेंट के पद पर चेन्नई में पदस्थ हैं।श्रेया के पिता अवधकिशोर गुप्ता पेशे से मेडिकल संचालक हैं।बीते रोज श्रेया गुप्ता को गहोई दिवस के उपलक्ष्य में गहोई वैश्य समाज दबोह जिला भिण्ड द्वारा समाज को गौरवान्वित करने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। श्रेया बताती हैं कि एक काफी समय से प्रयास करने के बाद उन्हें यह मुकाम हांसिल हुआ है।जिसका श्रेय वह अपने परिवार में माता-पिता अवधकिशोर गुप्ता व भाई प्रतीक को देती हैं।जिन्होंने समय समय पर हर परिस्थिति में उसका साथ दिया व आगे बढ़ना सिखाया।श्रेया बताती हैं कि एक छोटे से नगर से चयनित होकर चेन्नई में जॉब करना मेरे लिए गौरवान्वित है।साथ ही उन्होंने कहा कि समाज के द्वारा उन्हें जो सम्मान मिला उसके लिए वह गहोई वैश्य समाज दबोह को धन्यवाद ज्ञापित करती हैं।

शहीद स्वर्गीय विवेक सिंह तोमर शहीद पार्क एवं मूर्ती स्थापना को लेकर मंत्री ने लिखा पत्र

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो मुरैना

जिलाधिकारी महोदय मुरैना श्री अंकित अष्ठाना जी को आदरणीय राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र सिंह तोमर जी भिड़ेसा द्वारा प्रभारी मंत्री मुरैना श्री भारत सिंह कुशवाह जी को प्रेषित पत्र जिसमे रुअर ग्राम मे शहीद स्वर्गीय श्री विवेक सिंह तोमर शहीद पार्क एवं मूर्ती स्थापना एवं ग्राम लेपा मे आसान नदी पर रपटा और ग्राम एकाहरा से लेकर किर्रायच गज्जू की गढ़ी तक आम रास्ते के लिए आदरणीय प्रभारी मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह जी ने आदरणीय मुरैना जिलाधिकारी जी को अग्रिम कार्यवाही हेतु लिखित पत्र दिया जिसको आज जिलाधिकारी महोदय द्वारा मार्क करवा के सबंधित विभाग मे भिजवाया आदरणीय जिलाधिकारी जी ने अस्वस्त किया है की आगामी जिलायोजना समिति की बैठक मे इस पर प्रभाधानुसार समुचित व्यवस्था की जाएगी।

आयुर्वेदिक पद्धति को आम जनता तक पहुंचाने के लिए घाटीगांव में लगा आयुष मेला

● पुष्पांजली टुडे, रहीस खान, घाटीगांव

मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना एवं लोक स्वास्थ्य सेवा गतिविधि के अंतर्गत आजादी के उपलक्ष में अमृत महोत्सव एवं संत रविदास जयंती के उपलक्ष में इस मेला का निशुल्क आयोजन किया गया इस आयोजन में निशुल्क आयुर्वेदिक दवाएं होम्योपैथी दवाएं योग चिकित्सा शिविर एवं औषधीय पौधों की प्रदर्शित आयुष नवरत्न प्रदर्शनी का आयोजन किया गया , इस आयोजन में 433 मरीजों का उपचार किया गया, इस मौके पर जनपद अध्यक्ष वर्षा दिलीप रावत,जिला पंचायत सदस्य श्रीपत आदिवासी, सरपंच नारायण जाटव,आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, परामर्श टीम में डॉ विजय गुप्ता,डॉ देवेंद्र शर्मा,डॉ संगीता कैलाश, डॉ सोना गंधर्व,डॉ सुरेंद्र सिंह राजपूत,डॉ सुमित हिंडोलिया एवं समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

आत्मा परियोजनॉन्तर्गत खंड स्तरीय कृषक संगोष्ठी (रवी)का आयोजन ग्राम- उदयपुर, विकासखंड- मुरार में किया गया

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो ग्वालियर

सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर उपस्थित वैज्ञानिक अधिकारी व किसान बंधुओं ने दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की अगली कड़ी में श्री देवेंद्र सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन श्री अजय सिंह भदौरिया विकासखंड तकनीकी प्रबंधक आत्मा मुरार के द्वारा किया गया। इसी बीच में कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिक एवं अधिकारियों का परिचय किसान बंधुओं से करवाया गया। श्री जगदीश जी नरवरिया परियोजना संचालक आत्मा समिति जिला ग्वालियर ने आत्मा परियोजना का सामान्य परिचय देते हुऐ कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम की भूमिका रखने के साथ साथ महत्व के बारे में समझाया और उसके द्वारा किसानों के बीच में कौन-कौन सी गतिविधी के माध्यम किसानो को प्रशिक्षित किया जाता है ,इस दिशा में भी उन्होंने एक नजर डालते हुए बताया साथ ही प्राकृतिक खेती के विषय को लेकर किसानों को संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई स्वदेशी गाय के संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर चर्चा करते हुए कृषि के क्षेत्र में केंचुआ खाद का उपयोग करें बताया कि आज रसायनिक खाद व दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग से मानव स्वास्थ्य गंभीर रूप से खराब होता चला जा रहा है क्योंकि आज हमें शुद्ध भोजन प्राप्त नहीं हो पा रहा है इसलिए कैंसर मधुमेह जैसी घातक बीमारियां तेजी से फैल रही है किसान भाइयों को सजग होने की जरूरत है ।

डॉ राज सिंह कुशवाह प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर ने क्षेत्र की प्रमुख फसलों की कार्य माला के बारे में विस्तृत जानकारी एवं किसानों की आय दोगुनी के उपाय विषय पर व्याख्यान देते हुए किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के साथ साथ आधुनिक खेती के गुरू मन्त्र दिये। डॉ एस .पी .एस .तोमर वरिष्ठ कीट विशेषज्ञ कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर ने प्रमुख रवि फसलों में कीट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देते हुए वर्तमान समय मे व्याप्त समस्याओं का समाधान करने के साथ क्षेत्र की मुख्य तिलहनी फसल सरसों की सुरक्षा हेतु कारगर उपाय बताए जिससे किसानों की फसल सुरक्षित रहने के साथ-साथ अधिकतम पैदावार होने से किसान की आय में वृद्धि हो।

डॉ अमिता शर्मा वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालियर ने प्राकृतिक खेती एवं महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी देकर किसानों को जीवामृत ,बीजामृत खाद एवं घन जीवामृत दशपर्णी अर्क ,ब्रह्मास्त्र ,अग्नियास्त्र आदि जैविक उत्पाद बनाने की संपूर्ण विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही किसानों को रसायनिक खादों का उपयोग कम से कम करने की सलाह दी। डॉक्टर जी एस दुबे विकासखंड स्तरीय पशु चिकित्सक थाटीपुर मुरार ने सर्दियों में दुधारू पशुओं का उचित रख रखाव के साथ संतुलित आहार एवं सामान्य रोग प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देने के साथ-साथ विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी।श्री बी डी मगरैया वरिष्ठ उधान विकाश अधिकारी विकासखंड मुरार के द्वारा उद्यान विभाग की समस्त योजनाओ की जानकारियां उपलब्ध कराई साथ ही किसानों को सब्जी उत्पादन ,पुष्प उत्पादन ,मसाला उत्पादन, फलोत्पादन एवं फल परिरक्षण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर मार्गदर्शन दिया।

श्री राजेंद्र सिंह सहायक मत्स्योद्योग अधिकारी विकासखंड मुरार ने मत्स्य विभाग की समस्त योजनाओं को बताते हुए किसान को कृषि के साथ मत्स्य पालन करने के लिए प्रेरित किया जिससे आय में गुणात्मक वृद्धि होती है यह एक सफल व्यवसाय है। श्री अनिल कुमार मिश्रा उपयंत्री कृषि अभियांत्रिकी ग्वालियर ने कृषि यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित कृषि हितेषी समस्त योजनाओं के बारे में बताया एवं कृषि उपकरणों की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जैसे- (ट्रैक्टर ,थ्रेसर, कल्टीवेटर ,रोटावेटर ,प्लाऊ, सीड ड्रिल आदि) कृषक संगोष्ठी में डेढ़ सौ से अधिक उपस्थित किसानों का इस दिशा में मार्गदर्शन किया।

श्री शैलेश सिंह कुशवाह पर्यावरण विद्वान ने कृषि पर्यावरण विषय पर किसानों का मार्गदर्शन कर उन्हें वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया साथ ही उन्होंने समझाया वृक्ष किसानों की एफडी होती है क्योंकि कृषि एक जोखिम भरा व्यवसाय है , विषम परिस्थितियों में वृक्ष किसानों की आर्थिक समस्याओं को हल करते हैं। श्री दिलीप कटारिया कृषि विकास अधिकारी विकासखंड मुरार जिला ग्वालियर ने विकासखंड की समस्त कृषि विभाग की योजनाएं के बारे में किसानों को जानकारी उपलब्ध कराई। श्री रविन्द्र डण्डोतिया ग्रामीण कृषि विस्तारक अधिकारी मुरार ने भी किसानो का मार्गदर्शन किया श्री रामेंद्र सिंह राजावत राम सोशल फाउंडेशन के अधिकारी ने औषधीय फसलों के विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए किसानों को बताया कि कृषि के साथ में हम औषधीय फसलों का भी उत्पादन कर अधिक लाभ कमा सकते हैं। श्री देवेंद्र सिंह भदौरिया विंध्याचल कृषक उत्पादक संगठन के अधिकारी ने कृषक उत्पादक संगठन विषय पर अपना व्याख्यान दीया और किसानों को इसके महत्व के बारे में बताया यह की एफपीओ आज किसानों का बहुत बड़ा हितेषी कृषक संगठन है एफपीओ से किसान जुड़कर अपने उत्पाद का अधिकतम मूल्य प्राप्त कर सकते है। श्री आर एस शाक्यवार उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जिला ग्वालियर ने अपने उद्बोधन में मिलेट्स फसलों के बारे में संपूर्ण जानकारी देते हुए किसानों से आग्रह किया की रसयनिक कीटनाशक एवं रसायनिक खादों का कम से कम उपयोग करें और प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले संसाधनों का उपयोग अपने फसल उत्पादन में करे जिससे मृदा का पीएच में सुधार हो उसके स्वास्थ्य में सुधार हो जैविक क्रियाएं सुचारू रूप से चलती रहे साथ ही बताया कि फसल अवशेषों को नहीं जलाएं । श्रीमती अनामिका पाठक सहायक तकनीकी प्रबंधक आत्मा मुरार ने समस्त विभागों से उपस्थित वैज्ञानिक एवं अधिकारियों के साथ साथ कृषक संगोष्ठी में सैकड़ों की संख्या में किसानो ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया सभी का हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट कर कार्यक्रम का समापन किया । उपस्थित कृषक श्री विशंभर सिंह, प्राण सिंह कुशवाह ,विनोद कुशवाह, प्रवेंद्र सिंह राणा ,राकेश सिंह राणा, गुड्डी बाई ,हेमलता, कमला ,भूरी ,सविता ,अलबेल सिंह ,गब्बर सिंह आदि उपस्थित रहे।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर बेवजह विवाद क्यों

देश के सुविख्यात कथावाचक और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराष्ट्र के नागपुर में हुए विवाद के चलते बीते कुछ दिनों से देश व दुनिया में जबरदस्त सुर्खियों में छाये हुए हैं। जब से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर नागपुर में अंधविश्वास फैलाने के आरोप लगे हैं, उसके बाद से ही देश में निरंतर उनके नाम पर टीवी चैनलों में प्राइम टाइम की डिवेट करने की होड़-सी लग गयी हैं। देश के न्यूज़ चैनल पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का साक्षात्कार लेने के लिए उनके आगे पीछे कथा मंडपों तक में भी मंडरा रहे हैं, कोई भी न्यूज़ चैनल टीआरपी की इस होड़ में पिछड़ना नहीं चाहता है, वह हर हाल में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से बात करके अपनी टीआरपी बढ़ाना चाहता है, हालात देखकर लगता है कि उनकी आजकल कथा से ज्यादा मांग न्यूज़ चैनलों पर हो रही है।

जबसे महाराष्ट्र के नागपुर में एक संस्था के लोगों के द्वारा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर व प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर बागेश्वर धाम के अपने दिव्य दरबार जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाया गया है, तबसे वह देश के मीडिया जगत के लिए एक बहुत बड़ी सुर्खियां बन गये हैं, टीआरपी के इस दौर में उनकी जबरदस्त मांग हो गयी है।

लेकिन विचारणीय तथ्य यह है कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से विवाद के इस प्रकरण के बाद से ही एक बार फिर से देश में कुछ लोगों के द्वारा सनातन धर्म को निशाने पर लेकर उसकी महान गौरवशाली छवि को खराब करने का दुस्साहस तक भी किया जा रहा है, जोकि बिलकुल भी उचित नहीं है। वहीं पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इस पूरे घटनाक्रम को अपने खिलाफ व सनातन धर्म के खिलाफ कुछ लोगों की एक बहुत सोची समझी रणनीति के तहत बड़ी साजिश बता रहे हैं। हालांकि यह सब देश की जांच एजेंसियों का कार्य है कि अगर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के इस विवाद में कोई साजिश है तो वह जल्द से जल्द ही इस पूरी साज़िश का पर्दाफाश करके सनातन धर्म के खिलाफ षड्यंत्र रचने वाली सभी शक्तियों को देशवासियों के सामने बेनकाब करने का कार्य करें।

वैसे भी देश के विभिन्न टीवी न्यूज़ चैनल की डिबेट पर देखें तो इन आरोपों के जवाब में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कहते हैं कि ये कहना बंद होना चाहिए कि विश्वास और अंधविश्वास क्या है, भारत में चादर चढ़ाना श्रद्धा है लेकिन अर्जी का नारियल बांधना अंधविश्वास है, भारत में कैंडल जलाना श्रद्धा है लेकिन बागेश्वर धाम में अर्जी लगाना अंधविश्वास है।

हालांकि देखा जाये तो आज के समय में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के इस तर्क का आरोप लगाने वाले लोगों के साथ-साथ शायद ही देश में किसी अन्य व्यक्ति के पास भी कोई तार्किक व ठोस आधार पर जवाब हो। देश में जब से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर आरोप लगाया गया है तबसे ही आम जनमानस के बीच यह चर्चा एक बार फिर से तेज़ी से शुरू हो गई है कि आखिर क्यों बार-बार सनातन धर्म को निशाने पर लिया जाता है। देश में आज अधिकांश सनातन धर्म के अनुयायियों को लगता है कि पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री किसी भी प्रकार के विवाद में नहीं घिरे हैं बल्कि उनको जानबूझकर सोचे समझे षड्यंत्र के तहत छिपे हुए एजेंडे को पूरा करने के लिए बेवजह का विवाद खड़ा करके जबरन विवादित शख्सियत बनाया जा रहा है। बहुत सारे लोगों का मानना है कि भारत में जब सभी धर्मों को समान रूप से स्वतंत्रता मिली हुई है तो उस स्थिति में भी क्यों सनातन धर्म को बार-बार निशाना बनाया जाता है। हमारे देश में मुस्लिम अपने धर्म के अनुसार इबादत करने के लिए आजाद हैं, ईसाई यीशु मसीह की पूजा करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हैं, देश में अन्य धर्म व पंथ के लोग भी स्वतंत्र रूप से पूजा अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं, किसी को भी किसी धर्म की पूजा अर्चना व इबादत आदि के तौरतरीकों पर प्रश्नचिन्ह लगाने का कोई अधिकार नहीं है, सभी लोगों का अपने-अपने धर्म के हिसाब से पूजा-पाठ व अन्य सभी धार्मिक कर्मकांड करने का पूरा अधिकार धार्मिक स्वतंत्रता के पूर्ण विश्वास के साथ प्राप्त है। तो फिर अपने ही देश में सर्वशक्तिमान भगवान श्री हनुमान जी महाराज के आगे उनके भक्तों के द्वारा अर्जी लगाना पूजा अर्चना करना अटूट श्रद्धा भाव की जगह अंधविश्वास कैसे हो सकता है, यह समझ से परे है, बल्कि यह सब देश के बहुसंख्य सनातन धर्म के आम जनमानस का धार्मिक अधिकार व विश्वास है। वैसे भी आदिकाल से ही भारत को सनातन धर्म की गौरवशाली धर्म, संस्कृति व परंपराओं के चलते ही पूरी दुनिया में एक बेहद सम्मानजनक विशिष्ट पहचान प्राप्त है। सनातन धर्म के चलते ही भारत को संत महात्माओं और चमत्कार की पुण्य देवभूमि माना जाता रहा है।

देवों के देव महादेव

भगवान शिव का त्यौहार है महाशिवरात्रि

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे तब भगवान शिव ने उसका पान किया। महाशिवरात्रि भगवान शिव का त्यौहार है। भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है।

माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ो तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्धारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं।

पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया।

संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी त्रयोदशी थी। वहां रातभर

कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे शिवलिंग था। जब वह अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोडकर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये।

एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चैथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया। प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा। महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण ह । इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है।

मथुराः धार्मिक पर्यटकों की आस्था का केंद्र

भगवान कृष्ण की नगरी कहलाई जाने वाला धार्मिक स्थल मथुरा दुनियाभर में पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। यहां भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ये स्थल भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमी से भी जाना जाता है। विशेषतौर होली मानाने के लिए यहां दूर-दूर से लोग आया करते हैं। यहां कृष्ण मंदिर के अलावा कई अन्य जगह भी हैं जहां आप घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से करीब 56 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। आप चाहें तो मथुरा के साथ-साथ आगरा भी घूमने जा सकते हैं। वहीं, अगर आप मथुरा घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको जिन प्रमुख जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वहां आप घूमने जा सकते हैं। आइए आपको मथुरा के कुछ प्रमुख स्थानों के बारे में बताते हैं...

कृष्ण जन्मभूमि

अगर आप मथुरा जा रहे हैं तो सबसे पहले कृष्ण जन्मभूमि मंदिर ही जाएं। कृष्ण जन्मभूमि से ही आपको ये साफ हो गया होगा कि ये कृष्ण भगवान का जन्म स्थान है। बता दें कि इस मंदिर को उसी कारागार के बाहर बनाया गया है जहां भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था। कहते हैं कि यहां कृष्ण भगवान की शुद्ध सोने से बनी 4 मीटर की मूर्ति थी, जिसको महमूद गजनवी द्वारा चुरा लिया गया था।

बांके बिहारी मंदिर

मथुरा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बांके बिहारी मंदिर है। ये राधा वल्लभ मंदिर के पास स्थित है। बता दें कि भगवान कृष्णा का दूसरा नाम बांके बिहारी भी है। इस मंदिर में बांके बिहारी की मूर्ति काले रंग की होती है। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको संकरी गलियों से जाना पड़ेगा।

द्वारकाधीश मंदिर

अगर आप भगवान कृष्ण से संबंधित घटनाएं कलाकृतियां देखना चाहते हैं तो द्वारकाधीश मंदिर जा सकते हैं। ये मंदिर विश्राम घाट के निकट स्थित है।

इसका निर्माण साल 1814 में किया गया था। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, खासतौर पर जन्माष्टमी में यहां ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है।

मथुरा संग्रहालय

मंदिर के दर्शन करने के अलावा आप म्यूजियम भी देखने जा सकते हैं। साल 1974 में मथुरा संग्रहालय का निर्माण किया गया था। इस संग्रहालय का पहले नाम कर्जन म्यूजियम ऑफ आर्कियोलॉजी था। यहां आप कुषाण और गुप्त वंश से संबंधित कई कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां अनोखी वास्तुकला और कई कलाकृतियों हैं, इसका चित्र भारत सरकार के स्टैंप पर भी छापा गया है।

कुसुम सरोवर

मथुरा के प्रमुख स्थानों में से एक कुसुम सरोवर है। ये लगभग 60 फीट गहरा और 450 फीट लंबा है। इस सरोवर का नाम राधा के नाम पर रखा गया है। कहते हैं कि यहां भगवान कृष्ण और राधा मिलने के लिए आया करते थे। कुसुम सरोवर में कई लोग नहाने भी आते हैं, यहां का पानी शांत और साफ-सुथरा है। यहां पर होने वाली शाम की आरती यहां का मुख्य आकर्षण केंद्र, कई पर्यटक इस दृश्य को अपने कैमरे में भी कैद करते हैं।

गोवर्धन पर्वत

अगर आप मथुरा घूमने आए हैं तो गोवर्धन पर्वत के दर्शन करने भी जरूर जाएं। इसका हिन्दू पौराणिक साहित्य में बेहद खास महत्व है। पौराणिक ग्रंथो के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपनी एक छोटी उंगली से इस पर्वत को उठा लिया था। इस पर्वत का दर्शन करने वाले लोग इसके चक्कर जरूर लगाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करना अच्छा होता है और भगवान कृष्ण की खास कृपा होती है।

भारतीय ऐतिहासिक स्मारक

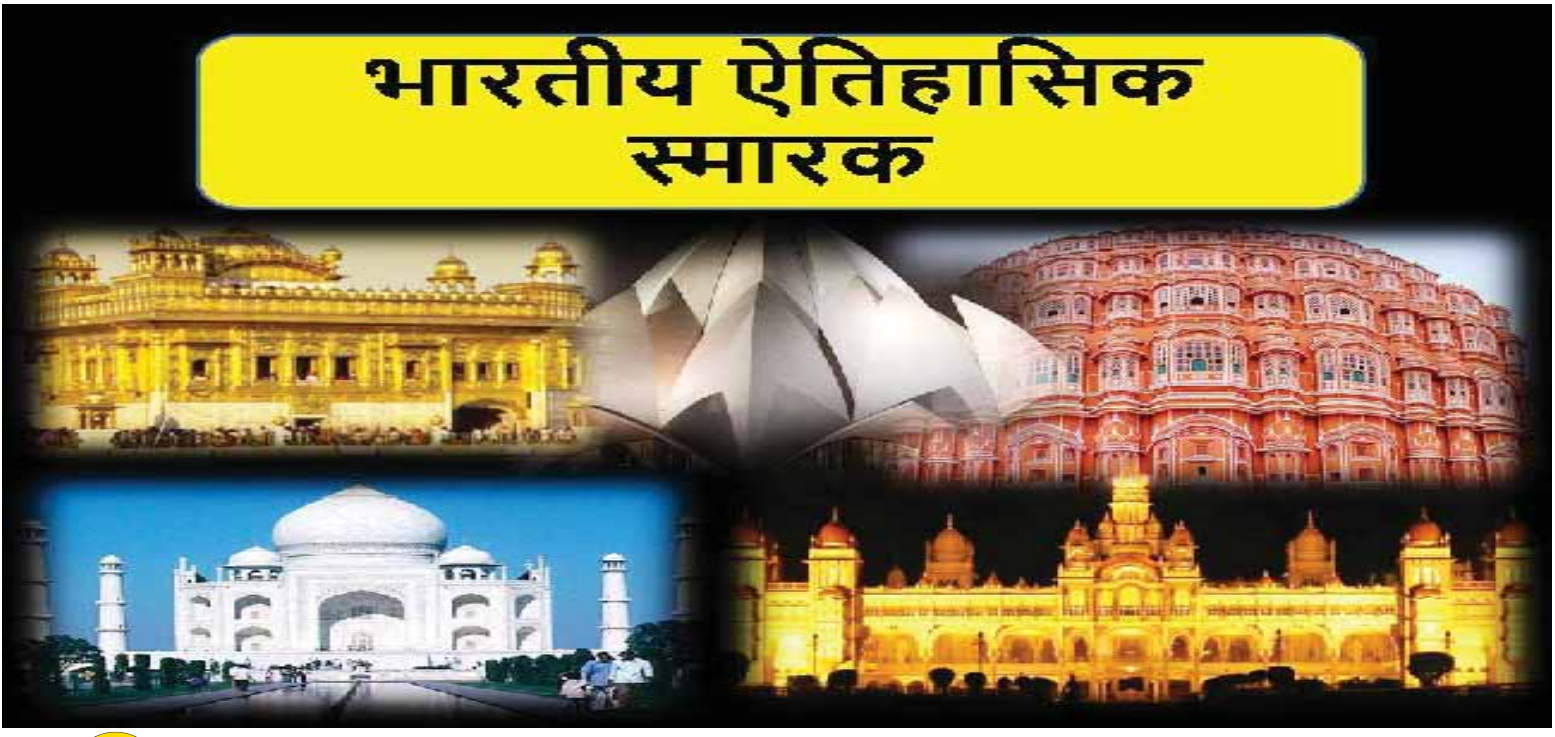

प्राचीन समय से ही भारत को इसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक सम्पन्नता के लिए जाना जाता है। भारत में मुग़ल काल से लेकर प्राचीन काल के साक्ष्य मौजूद है जिसमे रामायण काल और महाभारत काल के साक्ष्य भी शामिल है जो इसकी ऐतिहासिक धरोहर है। मुग़ल काल में निर्मित ऐतिहासिक धरोहरों को हम कैसे भूल सकते है। आइये आपको ले चलते है कुछ ऐसी ही भारतीय धरोहरों की सैर पर जिन्हे देख कर देश विदेश से आये पर्यटक दंग रह जाते है और उनको भारत के गौरवपूर्ण इतिहास का पता चलता है।

हवा महल

राजस्थान का नाम सुनते ही लोगो के मन में हवा महल की तस्वीर बन जाती है। हवा महल राजस्थान की पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह गुलाबी शहर का सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल है इसका अर्थ है हवाओं का महल। इसका निर्माण 1799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने बनवाया था। इसमें 950 से भी ज्यादा खिड़कियां है। यह महल लाल और गुलाबी बलुआ पत्थर से बना हुआ है और यह महल मधुमखियों के छत्ते की तरह से बनाया गया है।

मैसूर महल

इस महल में पर्यटकों की बहुत भीड़ होती है। शाम के समय इस महल में लाइट जलाई जाती है जिससे इसकी खूबसूरती और बढ़ जाती है। इस महल को अंबा पैलेस के नाम से भी जाना जाता है। महल के साथ-साथ यहां 44.2 मीटर ऊंचा एक पांचमंज़िल का टावर भी है, जिसके गुंबद को सोने से बनाया गया है। इसका निर्माण 14वीं सदी में वाडियार राजाओं ने करवाया था। यह वाडियार महाराजाओं का निवास स्थान हुआ करता था। मैसूर पैलेस दविड़, पूर्वी और रोमन कला का अद्भुत संगम है।

ताज महल

ताज महल की गिनती विश्व के सात अजूबो में की जाती है। शायद ही कोई ऐसा विदेशी पर्यटक होगा जो इंडिया आये और ताज महल के दीदार करने ना पहुचें। इसका निर्माण मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में करवाया था। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ और 1653 में ताजमहल बनकर तैयार हुआ। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा बहुत ही खूबसूरत है। ताजमहल भारतीय, पर्सियन और इस्लामिक वास्तुशिल्पीय शैली के मिश्रण का एक खूबसूरत नमूना है।

लाल किला

इस किले को लाल किला इसकी दीवारों के लाल रंग के कारण कहा जाता है। यह किला बलुआ पत्थर से निर्मित है। विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल दुनिया के इस सर्वश्रेष्ठ किले के निर्माण मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा 1638 ईसवी में कराया गया इसका असली नाम किला-ए-मुबारक है। मुगल शासन में शाही परिवार के लोग इसे मुबारक किला भी कहते थे। आज़ादी के बाद भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 को यही पर तिरंगा फहराया था। तब से यह परंपरा चली आ रही है और हर स्वतंत्रता दिवस पर यहां लाल क़िले की प्राचीर पर झंडा फहराया जाता है। यहीं से देश के प्रधानमंत्री देश के लोगों को संबोधित करते है। लाल किला आप मंगलवार से रविवार तक सुबह 7 बजे से शाम 5-30 बजे के बीच कभी भी घूम सकते है। सोमवार को किला बंद रहता है।

साँची स्तूप

साँची का स्तूप मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले में साँची नगर के पास एक पहाड़ी पर स्थित एक छोटा सा गांव है। यहां भगवान् बुद्ध की पूजा की जाती है। सांची में सम्राट अशोक के बनवाये हुए स्तूप है जो बौद्ध धर्म के इतिहास को समेटे हुए हैं। इन स?तूपों में महात्मा बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। सांची के स्तूप शांति, पवित्रता, धर्म और साहस का प्रतीक माने जाते हैं। साँची का पुराना नाम कंकेनवा,ककान्या आदि जाना जाता है।

स्ट्राबेरी की मदद से करें स्किन की केयर, त्वचा रहेगी जंवा

स्ट्राबेरी का स्वाद अधिकतर लोगों को अच्छा लगता है। अक्सर लोग स्ट्राबेरी से मिलने वाले हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बाते करते हैं, लेकिन उसके स्किन बेनिफिट्स भी कम नहीं हैं। स्ट्रॉबेरी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। साथ ही, इसमें विटामिन सी भी होते हैं। यह आपकी स्किन को अधिक यंगर बनाता है और एक्ने को दूर करता है। इसके अलावा, यह आपकी स्किन को टोन करने, स्किन टेक्सचर में बेहतर बनाने और पिगमेंटेशन आदि में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको स्ट्राबेरी को स्किन पर अप्लाई करने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

शहद और स्ट्रॉबेरी से बनाएं फेस मास्क

अगर आप अपनी स्किन को अधिक नरिशिंग बनाना चाहते हैं तो इस पैक को बनाएं। इसके लिए आप कुछ स्ट्रॉबेरी लें और उसे कांटे से तब तक मैश करें जब तक कि इसका स्मूद पेस्ट न बदल जाए। अब इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब आप अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को लगाएं। करीबन 15 मिनट के बाद पानी की मदद से फेस क्लीन करें।

स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट से बनाएं फेस मास्क

अगर आप अपनी स्किन को अधिक स्मूद बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस फेस पैक को बनाएं। इसके लिए आप पहले स्ट्रॉबेरी को अच्छी तरह मैश कर लें। अब एक चम्मच कोको पाउडर और शहद डालकर उसे अच्छी तरह मैश करें। अपने चेहरे को क्लीन करके करीबन 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरा वॉश कर लें।

स्ट्रॉबेरी और मलाई से बनाएं फेस पैक

यह एक बेहद ही नरिशिंग फेस पैक है, जो आपकी स्किन को अधिक नमी प्रदान करता है। खासतौर से, विंटर में यह पैक काफी लाभदायक है। इसके लिए आप स्ट्रॉबेरी को मैश करके उसकी प्यूरी बना लें। अब इसमें थोड़ा शहद व मलाई डालकर मिक्स करें। अब आप अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 10-12 मिनट बाद आप ठंडे पानी से चेहरे को धो लें।

स्ट्रॉबेरी और चावल के आटे से बनाएं स्क्रब

अगर आप अपनी डेड स्किन सेल्स को रिमूव करके इवन टोन स्किन व अधिक ब्यूटीफुल बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप इस फेस स्क्रब को बनाएं। इसके लिए, आप स्ट्रॉबेरी को ब्लेंड करके उसकी प्यूरी बना लें।

आलू से निखारें चेहरे का ग्लो

स्किन में निखार पाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप मार्केट में मिलने वाले महंगे प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। घर पर मौजूद नेचुरल इंग्रीडिएंट्स की मदद से स्किन की समस्याओं को दूर किया जा सकता है। मसलन, अगर आप अपनी स्किन की डार्कनेस को दूर करके पार्लर जैसा ग्लो पाना चाहती हैं तो ऐसे में आलू का इस्तेमाल किया जा सकता है। आलू को स्किन लाइटनिंग एजेंट के रूप में देखा जाता है, जिसके कारण यह आपकी स्किन को ब्राइटन करने में मददगार है। आप इसे एक नहीं, बल्कि कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस बारे में बता रहे हैं-

आलू से बनाएं फेस मास्क-आलू फेस मास्क में मौजूद विटामिन सी आपकी त्वचा को ब्राइटन करने में मदद करेंगे। इसके लिए आधा आलू को कद्दूकस करके उसमें 1 टेबल स्पून बेसन और 1 टीस्पून नींबू का रस मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरे को धो दें।

आलू से बनाएं फेस स्क्रब-डेड स्किन सेल्स को हटाकर इवन स्किन टोन और ब्राइटन स्किन बनाने के लिए आप आलू का स्क्रब भी बना सकती हैं। इसके लिए आधा छोटा चम्मच ओटमील और आधा चम्मच दूध में आधा कद्दूकस किया हुआ आलू मिलाएं। इस मिश्रण से अपने चेहरे को 8 से 10 मिनट तक धीरे से स्क्रब करें। दूध में लैक्टिक एसिड होता है जो इस फेस स्क्रब के एक्सफोलिएटिंग प्रभाव को भी मजबूत करेगा जबकि इसमें मौजूद फैटी एसिड आपकी त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद करेगा। डार्क सर्कल आपकी नेचुरल ब्यूटी को छीन लेते हैं और आपको थका हुआ दिखा सकते हैं। ऐसे में आलू की मदद से अपनी इस समस्या को अलविदा कहें। आलू के दो स्लाइस पर एलोवेरा लगाएं। अब इन्हें अपनी आंख पर रखकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, इन्हें हटाएं और चेहरे को धो लें। एक तरफ आलू आपके काले घेरों को हल्का करेगा और दूसरी तरफ एलोवेरा सूजन को शांत करेगा। फ्रेश लुक के लिए हर दूसरे दिन इस उपाय को आजमाएं।

धनिया और नींबू का कॉम्बिनेशन स्किन के लिए है चमत्कार

जब स्किन की केयर की बात होती है, तो अक्सर लोग तरह-तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। लेकिन वास्तव में अधिकतर समस्याओं का हल आपकी किचन में ही छिपा है। जी हां, धनिया और नींबू दो ऐसे इंग्रीडिएंट हैं, जिन्हें अगर एक साथ इस्तेमाल किया जाए तो यह आपकी स्किन के लिए किसी चमत्कार की तरह काम करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको धनिया और नींबू के स्किन बेनिफिट्स और इसे इस्तेमाल करने के बारे में बता रहे हैं जब धनिया और नींबू को एक साथ मिक्स करके यूज किया जाता है, तो यह आपकी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी गुणकारी है। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं। यह पेय पदार्थ विटामिन सी से भरपूर होता है, जो एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। यह आपकी स्किन को क्लीयर बनाता है और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है। जिसके कारण आपकी स्किन यंगर बनती है और फाइन लाइन्स व झुर्रियों से निजात मिलती है। जब स्किन की केयर की बात होती है, तो अक्सर लोग तरह-तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। लेकिन वास्तव में अधिकतर समस्याओं का हल आपकी किचन में ही छिपा है। जी हां, धनिया और नींबू दो ऐसे इंग्रीडिएंट हैं, जिन्हें अगर एक साथ इस्तेमाल किया जाए तो यह आपकी स्किन के लिए किसी चमत्कार की तरह काम करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको धनिया और नींबू के स्किन बेनिफिट्स और इसे इस्तेमाल करने के बारे में बता रहे हैं- जब धनिया और नींबू को एक साथ मिक्स करके यूज किया जाता है, तो यह आपकी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी गुणकारी है।

सीने में दर्द की समस्या से हैं परेशान तो आजमाएं यह उपाय

ऐसी कई चीजें होती हैं, जो सीने में दर्द या बेचैनी का कारण बन सकती हैं। मसलन, गैस, पेट में जलन और बहुत अधिक खांसी सीने में दर्द की वजह बन सकती है। एनजाइना सीने में दर्द है जो अल्पकालिक होता है और अक्सर आराम से राहत मिलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। दर्द आमतौर पर छाती में होता है और कंधे, हाथ या जबड़े में भी महसूस किया जा सकता है। ऐसे में आप कुछ आसान तरीकों को अपनाकर सीने में दर्द की समस्या को दूर सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखें कि सीने में दर्द किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। इसलिए अगर आपको लगातार दर्द हो रहा है, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको सीने में दर्द के कुछ आसान उपचार के बारे में बता रहे हैं-

बादाम

जब भोजन करने के बाद सीने में दर्द होता है, तो एसिड रिफ्लक्स या गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स दोष के कारण हो सकता है। दोनों स्थितियों में सीने में दर्द हो सकता है। ऐसे में बादाम या दूध में बादाम मिलाकर खाने से फायदा हो सकता

है।

लगाएं कोल्ड पैक

मांसपेशियों में खिंचाव छाती या दिल के दर्द के सामान्य कारणों में से एक हो सकता है। ऐसे मामलों में, किसी व्यक्ति को चोट, व्यायाम और अन्य गतिविधियों के कारण छाती में दर्द हो सकता है। इस प्रकार की समस्याओं को मैनेज करने के लिए, कोल्ड पैक को प्रभावित स्थान पर रखने से राहत मिलती है और सूजन कम हो जाती है।

गर्म पेय का करें सेवन

जब किसी व्यक्ति का दर्द गैस या सूजन के कारण होता है तो गर्म पेय गैस को कम करने में सहायक हो सकता है। गर्म तरल पदार्थ पाचन को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। हिबिस्कस चाय पाचन और हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करती है, यह रक्तचाप को भी कम करती है और कोलेस्ट्रॉल को कम करती है।

लहसुन आएगा काम

लहसुन को सीने के दर्द के लिए एक अच्छा इलाज माना जाता है। लोग एक गिलास दूध में कीमा बनाया हुआ लहसुन मिला सकते हैं। लहसुन धमनियों से प्लाक को रोकने और हृदय रोग को सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है।

लेटें

जब छाती या दिल में दर्द होता है, तो व्यक्ति को शरीर के ऊपर ऊंचा सिर के साथ तुरंत लेटने से कुछ राहत मिल सकती है। जब दर्द रिफ्लक्स के कारण होता है तो इस तरह लेटने से व्यक्ति को काफी आराम मिल सकता है।

हल्दी

हल्दी में कई तरह के एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सीने में दर्द के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। इस दर्द को कम करने के लिए रात को सोने से पहले गर्म दूध में हल्दी मिलाकर सेवन करना चाहिए।

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

मानव सेवा परमो धर्म

विशेष सुविधाएं

* 24 घण्टे मेडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
* आधुनिक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) एवं वेंटिलेटर, वाईपेप, सी. पेप।
* स्ट्रोक यूनिट फालिस के मरीजों के लिये।
* न्यूरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा
* सर्व सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर
* महिलाओं से संबंधित सीी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत, (बन्टी)
संचालक

बसंती पचमी एवं महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 8889437489

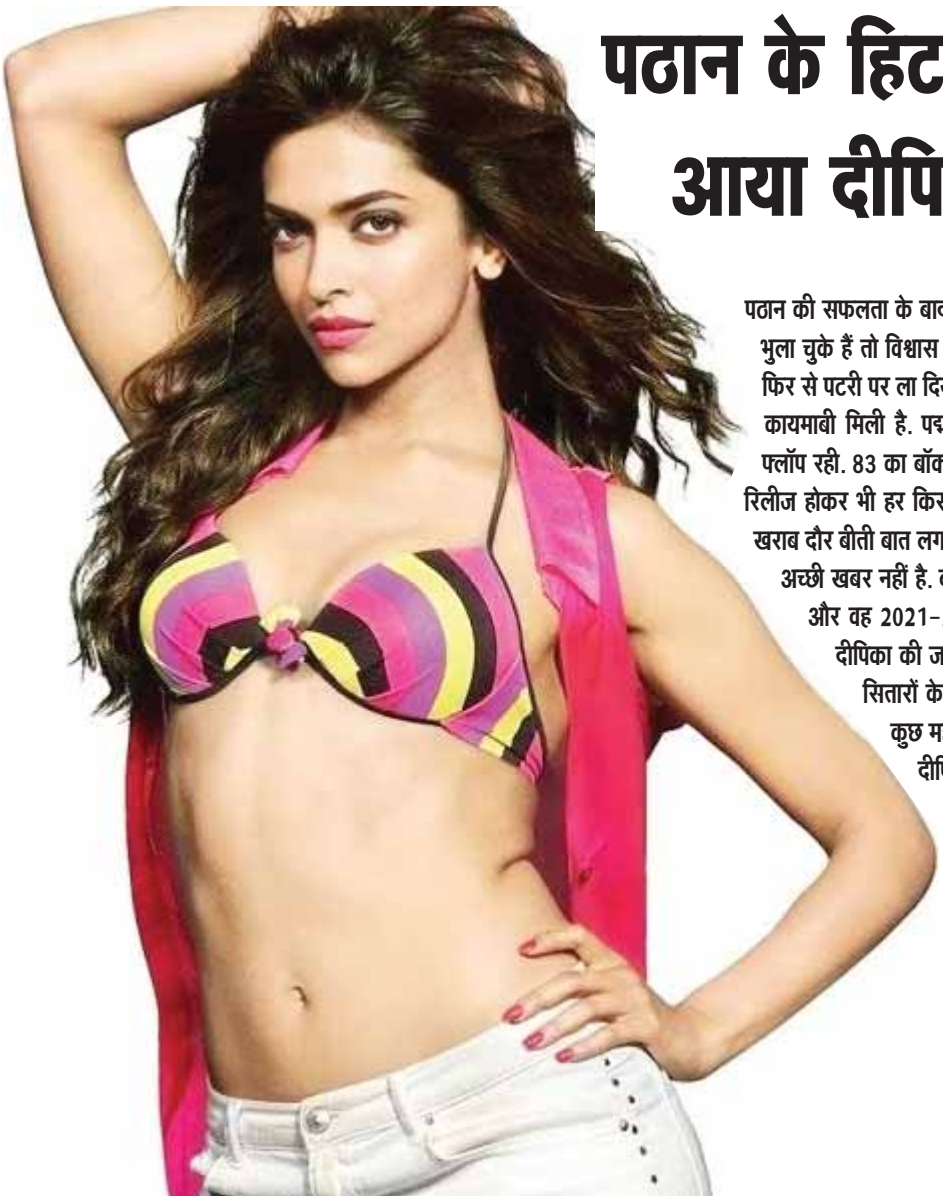

पठान के हिट के बाद पटरी पर आया दीपिका का कैरियर

पठान की सफलता के बाद अगर शाहरुख खान बीते चार साल के मुश्किल दौर को भुला चुके हैं तो विश्वास कीजिए कि इस फिल्म ने दीपिका करियर का भी करियर फिर से पटरी पर ला दिया है. उन्हें भी बॉक्स ऑफिल पर चार-साढ़े चार साल बाद कायमाबी मिली है. पद्मावत उनकी आखिरी हिट थी. इसके बाद उनकी छपाक फ्लॉप रही. 83 का बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हाल हुआ. गहराइयां ओटीटी पर रिलीज होकर भी हर किसी के निशाने पर रही. लेकिन पठान के साथ दीपिका का खराब दौर बीती बात लग रहा है और यह कैटरीना कैफ तथा आलिया भट्ट के लिए अच्छी खबर नहीं है. बीते कुछ समय में आलिया के खाते में सफलताएं दर्ज हुईं और वह 2021-22 में तेजी से उभर कर आईं. कहा जा रहा था कि वह दीपिका की जगह ले सकती हैं. वही कैटरीना कैफ अपनी जगह को बड़े सितारों के साथ काम करते हुए सुरक्षित बनाए थीं. परंतु आने वाले कुछ महीने इन अभिनेत्रियों की नींद उड़ा सकते हैं. पठान के बाद दीपिका के पास पांच ऐसी बड़े फिल्में हैं, जो उन्हें एक बार फिर लंबी रेस में ले आएगी. ये फिल्में हैं...

प्रोजेक्ट के

फिल्म में दीपिका बाहुबली स्टार प्रभास के साथ नजर आएंगी. नाग अश्विन निर्देशक हैं. बताया जा रहा है कि यह साइंस फिक्शन कल्कि अवतार से संबंधित है. फिल्म में अमिताभ बच्चन भी हैं. प्रोजेक्ट का बजट 500 करोड़ रुपये है. फिल्म इस साल के अंत तक रिलीज होगी.

ब्रह्मास्त्र पार्ट 2

2022 में जिन फिल्मों ने बॉलीवुड की थोड़ी साख रखी, उनमें ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शामिल है. फिल्म में दीपिका कुछ इस अंदाज में दिखीं कि लोग सही ढंग से अंदाजा भी नहीं लगा पाए. वह फिल्म के हीरो शिवा की मां हैं. पार्ट 2 में कहानी के केंद्र में दीपिका होंगी. फिल्म का बजट 200 करोड़ रुपये है. फिल्म 2024-25 में रिलीज होगी.

जवान

पठान के बाद शाहरुख खान की अगली रिलीज है, जवान. इसके निर्देशक हैं, एटली कुमार. फिल्म में शाहरुख का डबल रोल है और एक रोल में दीपिका उनके संग नजर आएंगी. पठान से उत्साहित फैन्स के लिए यह ट्रीट होगी. हालांकि दीपिका यहां गेस्ट रोल में दिखेंगी.

फाइटर

दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन पहली बार किसी फिल्म में साथ दिखेंगे. फिल्म का निर्देशन पठान वाले सिद्धार्थ आनंद करे रहे हैं. फाइटर देश की पहली एरियल एक्शन फिल्म है. दीपिका और ऋतिक फाइटर विमानों में कलाबाजी करते दिखेंगे. फिल्म का बजट 250 करोड़ रुपये है.

सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी की सर्कस पिछले साल की सबसे बड़ी फ्लॉप साबित हुई. उन्होंने रिलीज से पहले ही सिंघम अगेन की घोषणा कर दी थी. इस बार कहानी लेडी सिंघम की है और दीपिका पादुकोण इसे लीड करेंगी. फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी रहेंगे. फिल्म 2024 में रिलीज होगी.

महाशिवरात्रि पर्व की समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सिंह स्टार सिक्योरिटी

मैनपावर रिक्वायर एजेंसी

इन्दरपाल सिंह तोमर
(फौजी) संचालक
संपर्क 9923883854

जसवंत सिंह तोमर
संचालक
संपर्क 8959466554

पता: फ्लैट नंबर 3, मेट्रो कॉम्पलेक्स, ए-कोठारी हाऊस, डी.डी. नगर ग्वालियर, मप्र

राष्ट्रीय टीम योगी महासंघ

की ओर से देशवासियों को

महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

संत श्री शास्वतदास महाराज जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
हनुमानगढ़ी अयोध्या

प्रतीक सिंह
प्रदेशाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश

शैलेन्द्र सिंह राजावत
प्रदेशाध्यक्ष, मध्य प्रदेश

महावीर सिंह भदौरिया
प्रदेश संगठन मंत्री, मध्य प्रदेश

भरत सिंह चौहान
प्रदेश मीडिया प्रभारी

प्रदेश कार्यालय: 336 तानसेन नगर, ग्वालियर मध्य प्रदेश, 9340247077

बेटी आगे बढ़ेगी, तो देश आगे बढ़ेगा
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, समाज
को प्रगति के रास्ते ले जाओ

पुष्पांजली

जनकल्याण फाउंडेशन

नीति आयोग, एम.एस.एम.ई (उद्योग आधार) 12A& 80G

छोटे सिंह भदौरिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

भरत सिंह चौहान
राष्ट्रीय सचिव

रश्मि चौहान
प्रदेश अध्यक्ष, मप्र

कार्यालय :- जी एस प्लाजा गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

हेल्पलाइन: 0751-4050784, वाट्सएप: 9425665944

Website :- www.pushpanjalijkfoundation.com, Email :- pushpanjalijkfoundation@gmail.com

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को

74 वें

गणतंत्र दिवस पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

निरंतर विकास की ओर अग्रसर
मध्यप्रदेश का हर गाँव - हर शहर

D-18996/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023